



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 19]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 11, 1996/वैशाख 21, 1918

No 19] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 11, 1996/VAISAKHA 21, 1918

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)

PART II—Section 3—Sub-Section (II)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किये गये सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India
(Other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

(न्यायिक अनुभाग)

सूचना

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1996

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY

AFFAIRS

(Department of Legal Affairs)

(Judicial Section)

NOTICE

New Delhi, the 19th April, 1996

का. आ. 1376.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अंगुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री दया राम वर्मा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे मुसाफिर खाना तहसील, जिला मुलतान-पुर (उत्तर प्रदेश) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का अपेक्षा इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

S.O. 1376.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Daya Ram Verma, Advocate for appointment as a Notary, to practise in Teh. Musafirkhana Dist. Sultanpur (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[सं० फा० 5 (94)/96-न्यायिक]

पी० सी० कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

[No. F. 5(94)/96-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority.

सूचना

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1996

का. आ. 1377.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री एस. वीराबाधेरम, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे कोयंबटूर जिला, मंथूपालायम तालुका तमिलनाडू व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. फा. 5 (95)/96 - न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 19th April, 1996

S.O. 1377.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. S. Veerabatherem, Advocate for appointment as a Notary to practise in Coimbatore Dist. at Mettupalayam Taluka (Tamil Nadu).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5 (95)/96-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority.

सूचना

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1996

का. आ. 1378.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री मंगत राय बत्रा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे मुक्तसर (पंजाब) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. फा. 5 (96)/96 - न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 19th April, 1996

S.O. 1378.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Mangat Rai Batra, Advocate for appointment as a Notary to practise in Muktsar (Punjab).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F.5(96)/96-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority.

सूचना

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1996

का. आ. 1379.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री अर्जुन सिंह एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे कल्लूपुरा, अम्बेडकर रोड, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. फा. 5 (97)/96 - न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 19th April, 1996

S.O. 1379.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1966 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Ajit Singh Advocate for appointment as a Notary to practise in Kallupura, Ambedkar Road, Ghaziabad (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(97)/96-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority.

सूचना

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1996

का. आ. 1380.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री सतीश चन्द्र गुप्ता, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे अलीगढ़ जिला न्यायालय (उत्तर प्रदेश) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. फा. 5 (98)/96 - न्यायिक]

पी. सी. कण्णन, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 19th April, 1996

S.O. 1380.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Satish Chandra Gupta, Advocate for appointment as a Notary to practise in Aligarh Dist. Courts (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F.5(98)/96-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority.

सूचना

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1996

का. आ. 1381.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री जितेंद्र सिंह नरबान, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे फरीदाबाद (हरियाणा) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार के आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. फा. 5 (99)/96-न्यायिक]

पी. सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 19th April, 1996

S.O. 1381.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Jitender Singh Narban, Advocate for appointment as a Notary to practise in Faridabad (Haryana).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F.5(99)/96-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority.

सूचना

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1996

का. आ. 1382.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री पी. एम. उथप्पा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे मेडीकेरी - कोडागु (कर्नाटक) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति

पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. फा. 5 (100)/96-न्यायिक]

पी. सी. कण्णन्, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE

New Delhi, the 19th April, 1996

S.O. 1382.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. P. M. Uthappa, Advocate for appointment as a Notary to practise in Medikeri, Kodagu (Karnataka).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(100)/96-Judl.]

P. C. KANNAN, Competent Authority.

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1996

का. आ. 1383.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में, गृह मंत्रालय के निम्नलिखित कार्यालयों में हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले कर्मचारियों की संख्या 80 प्रतिशत से अधिक हो जाने के फलस्वरूप उन्हें एतद्द्वारा अधिभूषित करती है :—

- (1) कार्यालय अपर पुलिस उप महानिरीक्षक, गुप्त केन्द्र केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, जालंधर (पंजाब)
- (2) कार्यालय अपर पुलिस उप महानिरीक्षक, गुप्त केन्द्र केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, गुडगांव (हरियाणा)।
- (3) कार्यालय कमाण्डेंट - 134 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।

[सं. 12017/1/95 हिन्दी]

के. सी. कपूर, निवेशक

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 23rd April, 1996

S.O. 1383.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices of the Ministry of Home Affairs where the percentage of Hindi knowing staff has gone above 80 per cent :—

1. Office of the Additional Deputy Inspector General of Police, Group Centre, C.R.P.F., Jalandhar (Punjab).

2. Office of the Addl. Deputy Inspector General of Police, Group Centre, C.R.P.F. Gurgaon (Haryana).

3. Office of the Commandant—134 Battalion, Central Reserve Police Force.

[No. 12017/1/95-Hindi]

K. C. KAPOOR, Director

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 1996

का.आ. 1384.—केन्द्रीय सरकार षष्ठ प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का अधिनियम सं० 2) की धारा 24 की उप-धारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के निम्नलिखित अभियोजन अधिकारियों को, भारत के ऐसे किसी राज्य या संघ शासित क्षेत्र में, जिस पर पूर्वोक्त धारा के उपबंध लागू होते हैं, विधि द्वारा स्थापित विचारण न्यायालयों में दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना द्वारा संस्थित मामलों का और पुनरीक्षण या अपील न्यायालयों में इन मामलों से जुड़े अपीलों, पुनरीक्षणों या अन्य विषयों के संचालन के लिए विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करती है।

सर्वश्री

- (1) आनन्द नारायण
- (2) रविन्द्रनाथ दास
- (3) डी. इलान्चाझियन
- (4) बी.एन. अनिल कुमार
- (5) बी. रविन्द्रनाथ
- (6) एस.डी. पाण्डे
- (7) डी.आर. सरस्वती
- (8) मोहिन्द्र सिंह
- (9) बी.एस. रघुवन्शी
- (10) गोपाल च. मिश्रा
- (11) ए.सी. सिंह

[संख्या 225/22/96-एवीडी II]

जसवंत सिंह, अवसर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, P.G. & PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 22nd April, 1996

S.O. 1384.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of Section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act No. 2 of 1974), the

Central Government hereby appoints the following prosecuting officers of the Central Bureau of Investigation as Special Public Prosecutors for the conduct of cases instituted by the Delhi Special Police Establishment in Trial Courts and appeals/revisions or other matters arising out of these cases in revisional or appellate courts established by law in any State or Union Territory to which the provisions of the aforesaid section apply.

S/Shri

1. Anand Narayan.
2. Rabindranath Das.
3. D. Ilanchaezhian.
4. V.N. Anil Kumar.
5. B. Ravindranath.
6. S. D. Pandey.
7. D. R. Saraswati.
8. Mohinder Singh.
9. B. S. Raghuvanshi.
10. Gopal Ch. Mishra.
11. A. C. Singh.

[No. 225/22/96-AVD II]

JASWANT SINGH, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 1996

स्टाम्प

का.आ. 1385.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नोक्त प्रकार के प्रोमिजरी नोटों के स्वरूप में वर्णित बंधपत्रों पर उस शुल्क को माफ करती है जो :—

(क) भारतीय जीवन बीमा निगम को 16-8-95 को आबंटित किए गए 0956 से 1205 तक की विशिष्ट संख्या वाले 10-10 लाख रुपये के मात्र 25 करोड़ रुपये के समग्र मूल्य के 16 प्रतिशत बंधपत्र :

(ख) सेना समूह बीमा निधि को 4-7-95 को आबंटित किए गए 255 से 504 तक की विशिष्ट संख्या वाले 10-10 लाख रुपये मूल्य के मात्र 25 करोड़ रुपये के समग्र मूल्य के 15.75 प्रतिशत बंधपत्र :

- (ग) (i) भारतीय ड्रेजिंग निगम लि. भविष्य निधि फंड को 18-4-95 को आबंटित किए गए 0251 से 0251 तक की विशिष्ट संख्या वाले 10 लाख रुपए के 14.5% वाले खुदरा बंधपत्र:
- (ii) ए.पी. पेपर मिल्स लि. प्रोविडेंट फंड ट्रस्ट को 20-4-95 को आबंटित किए गए 0252 से 0254 तक की विशिष्ट संख्या वाले 10-10 लाख रुपए मूल्य के 14 प्रतिशत खुदरा बंधपत्र:
- (iii) ए.पी. पेपर मिल्स लि. भविष्य निधि ट्रस्ट को 27-4-95 को आबंटित किए गए 001 से 043 तक की विशिष्ट संख्या वाले 1-1 लाख रुपए मूल्य के 14 प्रतिशत खुदरा बंधपत्र:
- (iv) प्रशासनिक स्टाफ कालेज प्रोविडेंट फंड ट्रस्ट को 19-7-95 को आबंटित किए गए 0955 से 0955 तक की विशिष्ट संख्या वाले 10 लाख रुपए के 14.5 प्रतिशत खुदरा बंधपत्र:
- (v) भारत डायनामेटिक्स लि. प्रोविडेंट फंड ट्रस्ट को 28-7-95 को आबंटित किए गए 044 से 059 तक की विशिष्ट संख्या वाले 1-1 लाख रुपए के 15.5 प्रतिशत खुदरा बंधपत्र: और
- (vi) मिश्र धातु निगम लि. प्रोविडेंट फंड ट्रस्ट को दिनांक 1-8-95 को आबंटित किए गए 060 से 068 तक की विशिष्ट संख्या वाले एक-एक लाख रुपए मूल्य के मात्र एक करोड़ अठारह लाख रुपए मूल्य के समग्र मूल्य वाले 15.5 प्रतिशत खुदरा बंधपत्र:
- (घ) (i) राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड को 9-8-95 को आबंटित किए गए 1410 से 1509 तक की विशिष्ट संख्या वाले 10-10 लाख रुपए के टैप पर 15.75% बंधपत्र:
- (ii) भारतीय सामान्य बीमा निगम को 19-10-95 को आबंटित किए गए 1960 से 1998 तक की विशिष्ट संख्या वाले 10-10 लाख रुपए मूल्य के टैप पर 16% बंधपत्र:
- (iii) राष्ट्रीय बीमा कम्पनी लि. को 19-10-95 को आबंटित किए गए 10-10 लाख रुपये मूल्य के 1999 से 2020 तक की विशिष्ट संख्या वाले टैप पर 16% बंधपत्र:
- (iv) न्यू इंडिया एश्योरेन्स कं. लि. को 19-10-95 को आबंटित किए गए 2021 से 2057 तक की विशिष्ट संख्या वाले 10-10 लाख रुपये मूल्य के टैप पर 16% बंधपत्र:
- (v) ओरियंटल इन्शोरेन्स कं. लि. को 19-10-95 को आबंटित किए गए 2058 से 2079 तक की विशिष्ट संख्या वाले 10-10 लाख रुपए मूल्य के टैप पर 16 प्रतिशत बंधपत्र:
- (vi) यूनाइटेड इंडिया कं. लि. को 19-10-95 को आबंटित किए गए 2080 से 3109 तक की विशिष्ट संख्या वाले 10-10 रुपए के मूल्य के टैप पर 16% बंधपत्र:
- (vii) भारतीय स्टेट बैंक ई पी एफ ओ को 13-12-95 को आबंटित किए गए 1520 से 2109 तक की विशिष्ट संख्या वाले 10-10 लाख रुपए के मूल्य के टैप पर 16.5% बंधपत्र:
- (viii) सेना समूह बीमा निधि को 4-1-96 को आबंटित किए गए 2310 से 2459 तक की विशिष्ट संख्या वाले 10-10 लाख रु. मूल्य के टैप पर 16.5% बंधपत्र:
- (ix) भारतीय प्रशासनिक स्टाफ कालेज को दिनांक 27-7-95 को आबंटित किए गए 1407 से 1409 तक की विशिष्ट संख्या वाले 10-30 लाख रुपए मूल्य के टैप पर 14.75% बंधपत्र:
- (x) डी सी एल पोलिएस्टर लि. इम्प्लाइज रेजिडेंट प्रोविडेंट फंड ट्रस्ट को 25-8-95 को आबंटित किए गए 069 से 078 तक की विशिष्ट संख्या वाले 1-1 लाख रुपए मूल्य के टैप पर 15.5% बंधपत्र:
- (xi) विशाखापट्टनम स्टील प्रोजेक्ट इम्प्लाइज प्रोविडेंट फंड ट्रस्ट को 6-10-95 को आबंटित किए गए 079 से 0178 तक की विशिष्ट संख्या वाले 1-1 लाख रुपए मूल्य के टैप पर 16% बंधपत्र:

- (xii) एच ए एल हैदराबाद प्रभाग प्रोविडेंट फंड ट्रस्ट को 6-10-95 को आवंटित किए गए 0179 से 0198 तक की विशिष्ट संख्या वाले 1-1 लाख रुपए मूल्य के टैप पर 15.5% बंधपत्र :
- (xiii) ई सी आई एल इम्प्लाइज प्रोविडेंट फंड को 26-10-95 को आवंटित किए गए 0199 से 0223 तक की विशिष्ट सं. वाले-1-1 लाख रुपए मूल्य के टैप पर 15.5% बंधपत्र, और
- (xiv) ग्राम बैंक इम्प्लाइज प्रोविडेंट फंड को 28-10-95 को आवंटित किए गए 0224 से 0303 तक की विशिष्ट सं. वाले 1-1 लाख रु. मूल्य के मात्र बयानवे करोड़ पचहत्तर लाख रुपए के समग्र मूल्य के टैप पर 16% बंधपत्र : और
- (इ) शिपिंग क्रेडिट एंड इन्वेंटमेंट कम्पनी आफ इंडिया लि. द्वारा 2 फरवरी, 1996 को आवंटित किए गए 001 से 12082 तक की विशिष्ट सं. वाले 1-1 लाख रुपए मूल्य के एक सौ बीस करोड़ और बयासी लाख रुपए के समग्र मूल्य के 16.5% बंधपत्रों पर उक्त अधिनियम के तहत प्रभार्य है।

[सं. 35/96-स्टाम्प/फा.सं. 14/12/96-बि.क.]

एस. कुमार, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 17th April, 1996

STAMPS

S.O. 1385.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of Section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of promissory notes described as :—

- (a) 16 per cent Bonds bearing distinctive numbers 0956 to 1205 of rupees ten lakhs each aggregating to rupees twenty five crores only allotted on 16-8-95 to Life Insurance Corporation of India;
- (b) 15.75 per cent Bonds bearing distinctive numbers 255 to 504 of rupees ten lakhs each aggregating to rupees twenty five crores only allotted on 4-7-95 to Army Group Insurance Fund;

- (c) (i) 14.5 per cent Retail Bonds bearing distinctive numbers 0251 to 0251 of rupees ten lakhs allotted on 18-4-95 to Dredging Corporation of India Ltd. Provident Fund Trust;
- (ii) 14 per cent Retail Bonds bearing distinctive numbers 0252 to 0254 of rupees ten lakhs each allotted on 20-4-95 to A. P. Paper Mills Ltd. Provident Fund Trust;
- (iii) 14 per cent Retail Bonds bearing distinctive numbers 001 to 043 of rupees one lakh each allotted on 27-4-95 to A. P. Paper Mills Ltd. Provident Fund Trust;
- (iv) 14.5 per cent Retail Bonds bearing distinctive numbers 0955 to 0955 of rupees ten lakhs allotted on 19-7-95 to Administrative Staff College Provident Fund Trust;
- (v) 15.5 per cent Retail Bonds bearing distinctive numbers 044 to 059 of rupees one lakh each allotted on 28-7-95 to Bharat Dynamics Ltd. Provident Fund Trust; and
- (vi) 15.5 per cent Retail Bonds bearing distinctive numbers 060 to 068 of rupees one lakh each allotted on 1-8-95 to Mishra Dhatu Nigam Ltd. Provident Fund Trust.

aggregating to rupees one crore eighteen lakhs only;

- (d) (i) 15.75 per cent Bonds on Tap bearing distinctive numbers 1410 to 1509 of rupees ten lakhs each allotted on 9-8-95 to National Dairy Development Board;
- (ii) 16 per cent Bonds on Tap bearing distinctive numbers 1960 to 1998 of rupees ten lakhs each allotted on 19-10-95 to General Insurance Corporation of India;
- (iii) 16 per cent Bonds on Tap bearing distinctive numbers 1999 to 2020 of rupees ten lakhs each allotted on 19-10-95 to National Insurance Co. Ltd.;
- (iv) 16 per cent Bonds on Tap bearing distinctive numbers 2021 to 2057 of rupees ten lakhs each allotted on 19-10-95 to New India Assurance Co. Ltd.;
- (v) 16 per cent Bonds on tap bearing distinctive numbers 2058 to 2079 of rupees ten lakhs each allotted on 19-10-95 to Oriental Insurance Co. Ltd.;
- (vi) 16 per cent Bonds on Tap bearing distinctive numbers 2080 to 2109 of rupees ten lakhs each allotted on 19-10-95 to United India Insurance Co. Ltd.;
- (vii) 16.5 per cent Bonds on Tap bearing distinctive numbers 1520 to 2109 of rupees ten lakhs each allotted on 13-12-95 to State Bank of India-EPFO;

- (viii) 16.5 per cent Bonds on Tap bearing distinctive numbers 2310 to 2459 of rupees ten lakhs each allotted on 4-1-96 to Army Group Insurance Fund;
- (ix) 14.75 per cent Bonds on Tap bearing distinctive numbers 1406 to 1409 of rupees ten lakhs each allotted on 27-7-95 to Administrative Staff College of India;
- (x) 15.5 per cent Bonds on Tap bearing distinctive numbers 069 to 078 of rupees one lakh each allotted on 25-8-95 to DCL Polysters Ltd. Employees Resident Provident Fund Trust.
- (xi) 16 per cent Bonds on Tap bearing distinctive numbers 079 to 0178 of rupees one lakh each allotted on 6-10-95 to Visakhapatnam Steel Project Employees' Provident Fund Trust;
- (xii) 15.5 per cent Bonds on Tap bearing distinctive numbers 0179 to 0198 of rupees one lakh each allotted on 6-10-95 to HAL Hyderabad Division Provident Fund Trust;
- (xiii) 15.5 per cent Bonds on Tap bearing distinctive numbers 0199 to 0223 of rupees one lakh each allotted on 26-10-95 to ECIL Employees Provident Fund; and
- (xiv) 16 per cent Bonds on Tap bearing distinctive numbers 0224 to 0303 of rupees one lakh each allotted on 28-10-95 to Andhra Bank Employees' Provident Fund;

aggregating to rupees ninety two crores seventy five lakhs only; and

- (e) SCICI 16.5 per cent Bonds bearing distinctive numbers 001 to 12082 of the face value of rupees one lakh each aggregating to rupees one hundred twenty crores and eighty two lakhs only allotted on 2nd February, 1996;

by the Shipping Credit and Investment Company of India Limited, are chargeable under the said Act.

[No. 35/96-Stamp-F. No. 14/12/96-ST]

S. KUMAR, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 1996

स्टाम्प

का. आ. 1386.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उप धारा 1 के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उस शुल्क को माफ करती है जोकि उक्त अधिनियम के अन्तर्गत राष्ट्रीय हार्डिङ्गलिक पावर कारपोरेशन लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा "जे" श्रृंखला (प्रथम ट्रांस्चे) के रूप में वर्णित प्रोमिसरी नोटों के स्वरूप के बंधपत्रों पर प्रभावी है।

(i) दिनांक 15-11-94 को आबंटित 75 करोड़ रु० के समेकित मूल्य के 1000-1000 रु. के 10000000 से 100750000 की विशिष्ट संख्या वाले 9.25 प्रतिशत कर-मुक्त बंधपत्र;

(ii) दिनांक 16-11-94 को आबंटित 25 करोड़ रु. के समेकित मूल्य के 1000-1000 रु. के 10075000 से 101000000 तक की विशिष्ट संख्या वाले 9.25 प्रतिशत मुक्त बंध पत्र ;

(iii) दिनांक 1-12-1994 को आबंटित 50 करोड़ रु. के समेकित मूल्य के 1000-10000 रु. के 101000001 से 101500000 तक की विशिष्ट संख्या वाले 13 प्रतिशत कराधेय बंध पत्र।

(iv) दिनांक 8-10-94 को आबंटित 15 करोड़ रु. के समेकित मूल्य के 1000-1000 रु. के 101500001 से 101650000 तक की विशिष्ट संख्या वाले 13.25 प्रतिशत कराधेय बंध पत्र;

(v) दिनांक 12-10-94 को आबंटित 10 करोड़ रु. के समेकित मूल्य के 1000-10000 101650001 से 101800000 तक की विशिष्ट संख्या वाले 13.25 प्रतिशत कराधेय बंधपत्र ;

(vi) दिनांक 18-10-94 को आबंटित 25 करोड़ रु० के समेकित मूल्य के 1000-1000 रु. के 10180001 से 102050000 तक की विशिष्ट संख्या वाले 13.25 प्रतिशत कराधेय बंध पत्र।

(vii) दिनांक 18-10-94 को आबंटित 50 करोड़ रु० के समेकित मूल्य के 1000-10000 रु. के 102050001 से 102550000 तक की विशिष्ट संख्या वाले 13.25 प्रतिशत कराधेय बंध पत्र।

(viii) दिनांक 9-12-94 को आबंटित 50 करोड़ रु० के समेकित मूल्य के 1000-1000 रु. के 102550000 से 103050000 तक की विशिष्ट संख्या वाले 13.25 प्रतिशत कराधेय बंध पत्र।

[सं. 36/96/स्टाम्प/का. सं. 14/15/96-वि. क.]

एस. कुमार, अवसर सचिव

ORDER

New Delhi, the 17th April, 1996

STAMPS

S.O. 1386.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of Section 9 of the Indian Stamps Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of promissory notes described as 'J' Series (1st Transche).

(i) 9.25% tax-free bonds bearing distinctive numbers from 100000001 to 100750000

of Rs. 1000/- each aggregating to Rs. 75 crores allotted on 15-11-1994 ;

ORDER

New Delhi, 18th April, 1996

STAMPS

(ii) 9.25% tax-free bonds bearing distinctive numbers from 100750001 to 101000000 of Rs. 1000/- each aggregating to Rs. 25 crores allotted on 16-11-1994 ;

(iii) 13% taxable bonds bearing distinctive numbers from 101000001 to 101500000 of Rs. 1000/- each aggregating to Rs. 50 crores allotted on 1-12-1994 ;

(iv) 13.25% taxable bonds bearing distinctive numbers from 101500001 to 101650000 of Rs. 1000/- each aggregating to Rs. 15 crores allotted on 8-10-1994 ;

(v) 13.25% taxable bonds bearing distinctive numbers from 101650001 to 101800000 of Rs. 1000/- each aggregating to Rs. 15 crores allotted on 12-10-1994 ;

(vi) 13.25% taxable bonds bearing distinctive numbers from 101800001 to 102050000 of Rs. 1000/- each aggregating to Rs. 25 crores allotted on 18-10-1994 ;

(vii) 13.25% taxable bonds bearing distinctive numbers from 102500001 to 102550000 of Rs. 1000/- each aggregating to Rs. 50 crores allotted on 18-10-1994 ;

(viii) 13.25% taxable bonds bearing distinctive numbers from 102550000 to 103050000 of Rs. 1000/- each aggregating to Rs. 50 crores allotted on 9-12-1994.

by National Hydroelectric Power Corporation Limited, New Delhi are chargeable under the said Act.

[No. 36/96-Stamps-F. No. 14/15/96-ST.]

S. KUMAR, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1996

स्टाम्प

का. आ. 1387—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उप धारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उस शुल्क को माफ करती है जो पंजाब नेशनल बैंक नई दिल्ली द्वारा 29 मार्च, 1996 को याचार्जित किए गए मात्र एक सौ सित्थानवे करोड़ बान्ने लाख और साठ हजार रुपए के कुल मूल्य के दस दस हजार रुपए मूल्य के 1 से 199926 तक की विशिष्ट संख्या वाले अप्रतिभूत गौण निमोध्य बंधपत्रों (नियत और उतार चढ़ाव की दर वाले के रूप में वर्णित प्रॉमिसरी नोटों के स्वरूप वाले बंधपत्रों पर उक्त अधिनियम के तहत प्रभावी है।

[सं. 31/96-स्टाम्प-फा. सं. 14/10/96-बि.कं.]

एस. कुमार, अवर सचिव

S.O. 1387.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of promissory notes described as Unsecured Subordinated Redeemable Bonds (fixed and floating rate) of the value of rupees ten thousand each bearing distinctive numbers 1 to 199926 aggregating to rupees one hundred ninety nine crores ninety two lakhs and sixty thousand only allotted on 29th March, 1996 by the Punjab National Bank, New Delhi are chargeable under the said Act.

[No. 31/96-Stamps-F. No. 14/10/96-ST]

S. KUMAR, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

(आर आर बी अनुभाग)

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1996

का. आ. 1388—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 31 के उपबंध प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 3 की उपधारा (i) के अंतर्गत स्थापित किए गए क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक उनका संबंध 31 मार्च, 1996 को समाप्त वर्ष के लिए उनके तुलन पत्रों और लाभ हानि विवरण तथा उन पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के प्रकाशन से है।

[सं. एफ. 8/6/87-आर आर बी]

बी. ए. नारायणन, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

(RRB—Section)

New Delhi, the 23rd April, 1996

S.O. 1388.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declare that the provisions of Section 31 of the said Act shall not apply to the Regional Rural Banks established under sub-section (1) of Section

3 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976) in so far as the said section requires the publication of their balance sheets and profit and loss accounts together with the Auditors' Reports thereon in respect of the year ending 31-3-96.

[No. F. 8'6]87-RRB]

B. A. NARAYANAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1996

का.आ. 1389.—रखण औद्योगिक कम्पनी (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1985 को धारा 6 के साथ पठित धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एल.द्वारा श्री जस्टिस एम. एम. पारीब पिल्ले, सेवानिवृत्त, मुख्य न्यायाधीश, केरल उच्च न्यायालय को, कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से धीरे 17 सितम्बर, 1998 को समाप्त होने होने वाली अवधि के लिए अर्थात् जब वे 65 वर्ष की आयु के हो जाएंगे, औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्निर्माण अमीनीय प्राधिकरण का अध्यक्ष नियुक्त करती है।

[मं. 7/8/95-बी ओ-1]

सुधीर भार्गव, निदेशक

New Delhi, the 26th April, 1996

S.O. 1389.—In exercise of the powers conferred by section 5 read with section 6 of the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985, the Central Government hereby appoints Shri Justice M. M. Pareed Pillay, retired Chief Justice of Kerala High Court, as the Chairman of the Appellate Authority for Industrial and Financial Reconstruction for the period from the date of his taking charge and upto 17th September, 1998, the date on which he will attain the age of sixty five years.

[F. No. 7[8/95-BO.1]

SUDHIR BHARGAVA, Director

नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और

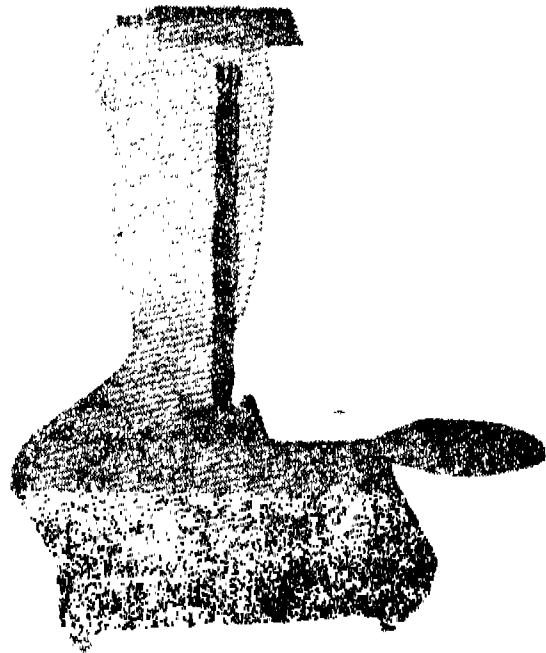
सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1996

का. आ. 1390.—केन्द्रीय सरकार का विहित प्राधिकारी द्वारा निवेदित रिपोर्ट (नीचे आकृति देखिए) पर विचार करने के पश्चात, समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित माडल बाट और माप अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक माडल का अनुमोदन नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप हैं और इस बात की संभावना है कि वह लगातार प्रयोग की अवधि में यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा देता रहेगा;

1044 GI/96—2

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मध्यम यथार्थता वर्ग 3 की "ए" डी आई-पी" मिरीज टाइप के और "ए एन ए-डी आई जी" ट्रेडमार्क वाले स्वतःमूचक गैर स्वचालित प्लेटफार्मे तोलन उपकरण के माडल का (जिसे इसमें इसके पश्चात माडल कहा गया है) जिसका विनिर्माण मैसर्स टेक्स्ट्रोनिक्स इंस्ट्रुमेंट्स 14 बंसधर, दलाल कालोनी, समीप आराधना स्कूल, मानीनगर ग्रहमदाबाद 8 द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन चिह्न आई० एन० डी० 09/95/52 सन्निहित किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है।



माडल (आकृति देखिए) मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग 3) का तोलन उपकरण है जिसकी अधिकतम क्षमता 100 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 400 ग्राम है। सत्यापन मापमान अंतर (ई) 20 ग्राम है इसमें एक टेयर युक्ति है जिसका व्यकलनात्मक प्रतिधारित टेयर प्रभाव 100 प्रतिशत है। भारग्राही वर्गाकार सेक्शन का है जिसका पार्श्व 500 मिलीमीटर है। प्रकाश उत्सर्जन डायोड संप्रदर्श तोल परिणाम उपदर्शित करता है। यह उपकरण 230 वोल्ट 50 हर्टज के प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर प्रचालित होता है।

आगे, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि माडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त के अनुसार और उसी सामग्री से जिससे अनुमोदित माडल का विनिर्माण किया गया है विनिर्मित 50 किलोग्राम / 10 ग्राम, 200 किलोग्राम / 50 ग्राम, 500 किलोग्राम / 100 ग्राम और 1000 किलोग्राम /

200 ग्राम, की अधिकतम क्षमता वाले और (ई) माप के समरूप में यथार्थता और उमी मिरिज के कार्यक्रम वाले तोलन उपकरण भी हैं।

[फाइल नं. डब्ल्यू एम 21 (73)/94]

राजीव श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER
AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION

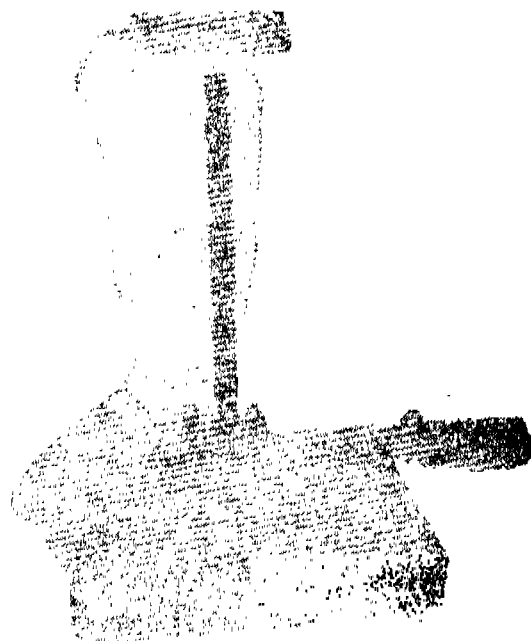
New Delhi, the 23rd April, 1996

S.O. 1390.—Whereas the Central Government after considering the report submitted to it by the prescribed authority, (see figure below) is satisfied that the Model described in the said report is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) and (8) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the model of the self-indicating non-automatic platform weighing instrument of type "ADI-P" series of class III medium accuracy and with the trade mark "ANADIGI" (hereinafter called the model) manufactured by M/s. Textronik Instruments, 14, Banshidhar, Dalaj Colony, Near Aaradhana School, Maninagar, Ahmedabad-8, and which is assigned the approval mark IND|09|95|52.

The model (see figure) is a medium accuracy (accuracy class III) weighing instrument with a maximum capacity of 100 kg and minimum capacity of 400 gram. The verification scale interval (e) is 20 gram. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The load receptor is of square section of side 500 millimetres. The LED display indicates the weighing result. The instrument operates

on 230 volts, 50 Hertz alternate current power supply.



(Figure)

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of the said section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the model shall also cover the weighting instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity and 'e' value of 50kg|10g, 200kg|50g, 500kg|100g and 1000kg|200g manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle and with the same materials with which, the approved model has been manufactured.

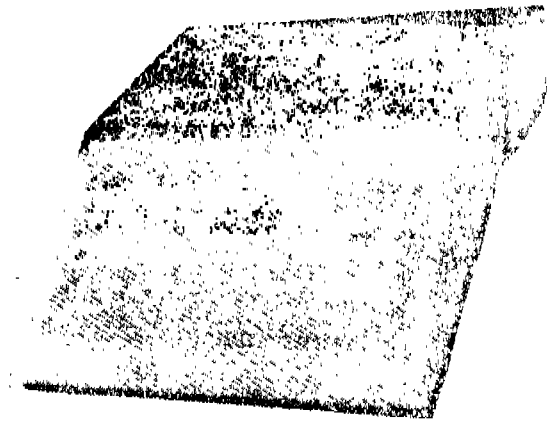
(File No. WM 21(73)|94)
RAJIV SRIVASTAVA, Jt. Secy.

नई दिल्ली 23 अप्रैल, 1996

का. आ. 1391.—केन्द्रीय सरकार का विहित प्राधिकारी द्वारा निवेदित रिपोर्ट नीचे (आकृति देखिए) पर विचार करने के पश्चात् समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित माडल बाट और माप मानक अधिनियम 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (माडल का अनुमोदन) नियम 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि वह लगातार प्रयोग की अवधि में यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा देता रहेगा।

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) और उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मध्यम यथार्थता वर्ग 3 की "ए डी आई टी" मिरिज टाईप के और "ए एन ए—डी आई जी" ट्रेडमार्क

वाले स्वतः सूचक गैर स्वचालित टेबलटाप तोलन उपकरण के माडल का जिसे इसमें इसके पश्चात् माडल कहा गया है जिसका विनिर्माण मैसर्स टेक्स्ट्रॉनिक इंस्ट्रुमेंट्स 14, बंसीधर दलाल कालोनी, सजीप आराधना स्कूल, मानीनगर, अहमदाबाद 8 द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन विहित आई एन डी / 09/95/53 समनुदिष्ट किया गया है, अनुमोदन प्रमाण-पत्र प्रकाशित करती है।



आकृति

माडल (आकृति देखिए) मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग 3) का तोलन उपकरण है जिसकी अधिकतम क्षमता 10 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 40 ग्राम है। स्थापन मापमान अन्तर (ई) 2 ग्राम है। इसमें एक टेयर युक्ति है जिसका व्यक्तात्मक प्रतिधारित टेयर प्रभाव 100 प्रतिशत है। भारग्राही आयताकार सेक्शन का है जिसका पार्श्व 280×210 मिलीमीटर है प्रकाश उत्सर्जन डायोड संप्रदर्श तोल परिणाम उद्दिष्ट करता है। यह उपकरण 230 वोल्ट 50 हर्ट्ज के प्रत्यावर्ती धारा बिजुत प्रदाय पर प्रचालित होता है।

आगे, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि माडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त के अनुसार और उसी सामग्री से, जिसे अनुमोदित माडल का विनिर्माण किया गया है विनिर्मित 1 किलोग्राम 0.2 ग्राम, 2 किलोग्राम 0.5 ग्राम, 5 किलोग्राम / 1 ग्राम, 20 किलोग्राम / 5 ग्राम और 50 किलोग्राम / 10 ग्राम की अधिकतम क्षमता वाले और (ई) मान के समरूप मैक यथार्थता और उसी सिरीज के कार्यकरण वाले तोलन उपकरण भी हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम 21 (73)/94]

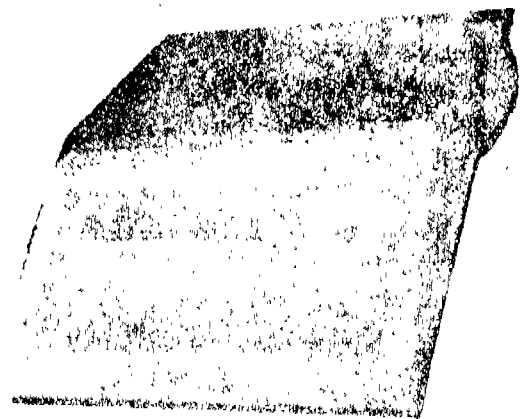
राजीव श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 23rd April, 1996

S.O. 1391.—Whereas the Central Government after considering the report submitted to it by the prescribed authority, (see figure below) is satisfied that the Model described in the said report is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model, is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) and (8) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the model of the self-indicating non-automatic table top weighing instrument of type "ADI-T" series of class III medium accuracy and with the trade mark "ANADIGI" (hereinafter called the model) manufactured by M/s. Textronik Instruments, 14, Banshidhar, Daki Colony, Near Aaradhana School, Maninagar, Ahmedabad 8, and which is assigned the approval mark IND/09/95/53.

The model (see figure) is a medium accuracy (accuracy class III) weighing instrument with a maximum capacity of 10 kg and minimum capacity of 40 gram. The verification scale interval (e) is 2 gram. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The load receptor is of rectangular section of sides 280×210 millimetres. The LED display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts, 50 Hertz alternate current power supply.



(Figure)

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of the said section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the model shall also cover the weighing instrument of similar make accuracy and performance of same series with maximum capacity and 'e' value of 1 kg/0.2g, 2kg/0.5g, 5kg/1g, 20kg/5g and 50kg/10g manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle and with the same materials with which, the approved model has been manufactured.

[File No. WM 21 (73)/94]

RAJIV SRIVASTAVA, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1996

का. आ. 1392.—केन्द्रीय सरकार की विहित प्राधिकारी द्वारा उसे प्रस्तुत की गई रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित माडल बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक माडल का अनुमोदन नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि उक्त माडल लगातार प्रयोग की अवधि में यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा देता रहेगा।

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यथार्थता वर्ग 3 के स्मार्ट 460 टाईप के अंकीय संप्रदर्श

वाले स्वतः सूचक गैर स्वचालित इलेक्ट्रॉनिक तुला चौकी के माडल का (जिसे इसमें इसके पश्चात् माडल कहा गया है) जिसका विनिर्माण मैसर्स इंडचेम इंस्ट्रुमेंट्स लिमिटेड 102, वेलाचेरी रोड, गाइंडी मद्रास 600032 द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन चिन्ह आई एन डी /09/95/36 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र प्रकाशित करती है।

माडल (आकृति देखिए) एक मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग 3) का इलेक्ट्रॉनिक तुला चौकी है जिसकी अधिकतम क्षमता 3000 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 100 किलोग्राम है। सत्यापन मापमान अन्तर (ई) 5 किलोग्राम है। इसमें एक टेयर युक्ति है जिसका व्यकलनात्मक प्रतिधारण टेयर प्रभाव 100 प्रतिशत है। भारग्राही आयताकार आकृति का है जिसका पार्श्व 9000×3000 मिलीमीटर है 17 खंडीय प्रकाश उत्सर्जन डायोड संप्रवर्धन तोल परिणाम उपदिशित करता है। यह उपकरण 230 बोल्ट, 50 हर्ट्ज के प्रत्यावर्ती विद्युत प्रदाय पर प्रचालित होता है।

60 टन और 80 टन की अधिकतम क्षमता वाले समस्त मैक, यथार्थता और कार्यरत वाले तोलन उपकरण भी है।

[फा. सं. डब्ल्यू. एम. 21 (19)/92]

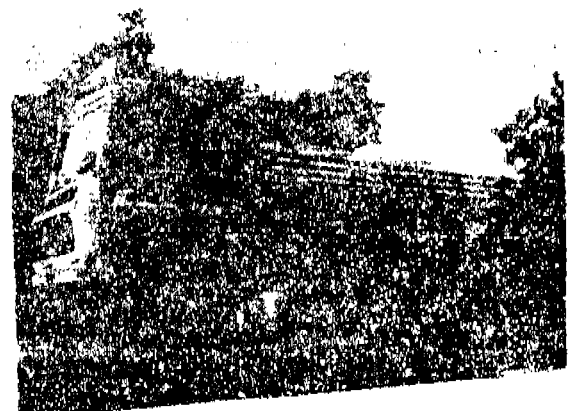
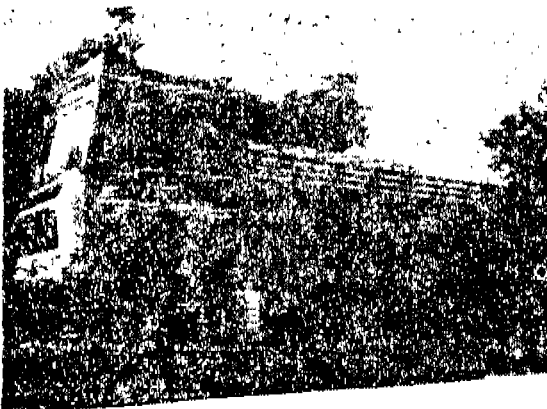
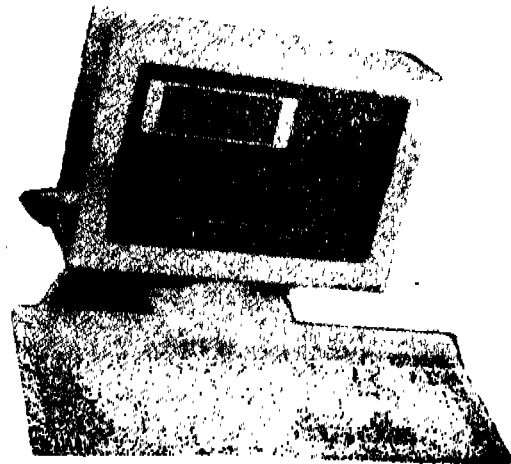
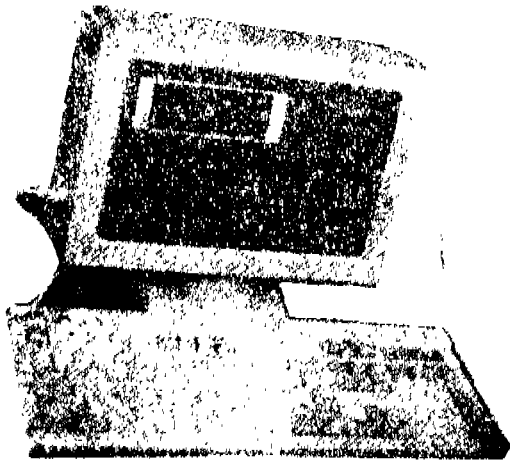
राजेश श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 23rd April, 1996

S.O. 1392.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report, see the figure given below, is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of Model of self-indicating non-automatic electronic weighbridge with digital display of type SMART 460 of accuracy class III (herein-after referred to as the Model) manufactured by M/s. Indchem Instruments Ltd., 102, Velacherry Road, Guindy, Madras-600 032 is assigned the approval mark IND/09/95/36;

The Model (see figure) is a medium accuracy (accuracy class III) electronic weighbridge with a maximum capacity of 30000 kilogram and minimum capacity of 100 kilogram. The verification scale interval (e) is 5 kilogram. It has a tare device with a 100 per cent subtractive retained tare effect. The load receptor is of rectangle shape of sides 9000×3000 millimetre. The 7 segment I.E.D. display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts, 50 hertz alternate current power supply.



आगे केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि माडल के अनुमोदन के इस प्रमाणपत्र के अंतर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित माडल का विनिर्माण किया गया है 10 टन, 20 टन, 30 टन, 40 टन, 50 टन,

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of the said section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance with a maximum capacity of 10t, 20t, 30t, 40t, 50t, 60t and 80t manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

[F. No. WM-21(19)/92]
RAJIV SRIVASTAVA, Jt. Secy.

MINISTRY OF COAL CORRIGENDUM

New Delhi, the 2nd August, 1994

S.O. 1393.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 2104, dated the 10th September, 1993, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (ii) at pages 3099 to 3101, issued under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government gave notice of its intention to acquire the lands described in the Schedule appended to that notification.

And whereas, it has been brought to the notice of the Central Government that certain errors of printing nature have occurred in the publication of the said notification in the Gazette;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby amends the Schedule appended to the said notification as follows :—

at page 3101, in plot numbers to be acquired in village Saram—

- (i) for “2501, 2502 (part), 2503, 2537, 2538 (part), 2540 (part)” read “2501, 2502 (part), 2503 to 2537, 2538 (part), 2540 (part)”;
- (ii) for “5455 to 5464, 5565 (part), 5490,, read “5455 to 5464, 5465 (part), 5490”;
- (iii) for “5673 (part), 5677 (part), 5679, 5680 (part)” read “5673 (part), 5677 (part), 5678, 5679, 5680 (part)”.

Any person interested in any land in respect of which the above amendment has been issued, may within thirty days of the issue of this notification, object to the acquisition of the whole or any part of the said land, or any right in or over such land in terms of sub-section (1) of section 8 of the said Act.

Explanation:—

In respect of plot numbers amended through this notification only, the said period of thirty days in terms of section 8(1) of the said Act starts running from the date of the issue of this notification.

The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta (PIN 700001) has been appointed by the Central Government as the competent authority under

section 3 of the said Act vide notification number S.O. 518, dated the 11th June, 1983.

[No. 43015/6/91-LSW]

N. BHAGAT, Director.

गुडि-यत्र

मई दिल्ली, 23 मई, 1995

का.भा. 1394.—भारत के राजपत्र, तारीख 28 मई, 1994 के भाग-2, खंड-3, उपखंड (ii) में पृष्ठ 1671 से 1674 पर प्रकाशित भारत सरकार, कोयला मंत्रालय की अधिसूचना का.भा. 1248 तारीख 4 अगस्त, 1994 में :—

पृष्ठ क्रमांक 1671 अधिसूचना में :

पंक्ति 1—“(1957 का 22)” के स्थान पर “(1957 का 20)” पढ़ें
पंक्ति 7—“परामर्श करने” के स्थान पर “परामर्श करने के पश्चात्” पढ़ें।

अनुसूची “क” में,

“बिसरामपुर क्षेत्र” के स्थान पर “बिसरामपुर क्षेत्र” पढ़ें।
तालिका में, जिला स्तम्भ के नीचे,

“सुरजपुर” के स्थान पर “सरगुजा” पढ़ें। और जिला स्तम्भ के नीचे जहाँ कहीं भी सुरजपुर” शब्द प्रयुक्त हुआ उसके स्थान पर “सरगुजा” पढ़ें।

टिप्पणियाँ स्तम्भ के नीचे,

“108.219 भाग” के स्थान पर “भाग” पढ़ें।

पृष्ठ क्रमांक 1672, ग्राम कापसरा (भाग में अजित किए गए प्लाट संख्यांक में,

स्तम्भ 1—“254 (भाग), के स्थान पर “254 (भाग), 225 (भाग), 255 (भाग)” पढ़ें।

स्तम्भ 2—“303 (भाग)” के स्थान पर “303” पढ़ें।

स्तम्भ 2—“714 (भाग)” के स्थान पर “715” पढ़ें।

तालिका में, क्षेत्र हैक्टर में स्तम्भ के नीचे क्रम सं. 1 “12.975” के स्थान पर “112.975” पढ़ें।

पृष्ठ क्रमांक 1673 ग्राम कापसरा (भाग में अजित किए गए प्लाट संख्यांक में,

स्तम्भ 2—“692 से 679” के स्थान पर “602 से 679” पढ़ें।

ग्राम बरोधी (भाग में अजित किए गए प्लाट संख्यांक में,

स्तम्भ 3 — “290 (भाग)” के स्थान पर “290” पढ़ें।

स्तम्भ 4— “444, के स्थान पर “444 475 के स्थान पर 445,

475.” पढ़ें।

पृष्ठ क्रमांक 1674

ग्राम सेन्दोपारा (भाग में अजित किए गए प्लाट संख्यांक में,

स्तम्भ 1— “2 (भाग), के स्थान पर “1 (भाग, के स्थान पर 2 (भाग)” पढ़ें।

स्तम्भ 1— “26 (भाग), के स्थान पर “26 (भाग), 28 (भाग), के स्थान पर 27 (भाग), 28 (भाग)” पढ़ें।

स्तम्भ 2— “40 से 44, के स्थान पर “40 से 44, 46,” के स्थान पर 45 (भाग), 46,” पढ़ें।

स्तम्भ 3— "111 से 126 के स्थान पर "111 से 126, 128 (भाग)
के स्थान पर 127 (भाग), 128 (भाग), पढ़ें।

स्तम्भ 4— "146 (भाग), के स्थान पर "146 (भाग),
148 (भाग), 147 (भाग), 148 (भाग)", पढ़ें।

[फा. सं. 43015/14/90-एल.एस.डब्ल्यू.]

नरेन्द्र भगत, निदेशक

CORRIGENDUM

New Delhi, the 23rd May, 1995

S.O. 1394.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 1248 dated the 4th April, 1994, published at pages from 1674 to 1677 of the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 28th May, 1994,—

- (1) at page 1675, in the Schedule 'A', under the heading "Plot numbers acquired in village Kapsara (Part)", in column 3, in line 8,, for "346 to 471" read "446 to 471".
- (2) at page 1677, in Schedule 'B', under the heading "Plot numbers acquired in village Durti (Part)", for "567 (part)" read "569 (part)".

[No. 43015/14/90-LSW]

N. BHAGAT, Director

दृष्टि पत्र

नई दिल्ली, 22 जून, 1995

का.आ. 1395. --- भारत के राजपत्र, तारीख 25 फरवरी, 1995 के भाग-2, खंड-3, उपखंड (ii) में पृष्ठ संख्या 577 से 578 पर प्रकाशित भारत सरकार कोयला मंत्रालय की अधिसूचना का.आ. सं. 504, तारीख 7 फरवरी, 1995 में:—

पृष्ठ क्रमांक—577 अधिसूचना में,

पंक्ति 8, "कनक्टर शडहोल" के स्थान पर "कनेक्टर शडहोल" पढ़ें।

पृष्ठ क्रमांक—578 सीमा वर्णन में, रेखा ब-उ-च"—छ,

पंक्ति 1, पिचवमी के स्थान पर "पिचवमी" पढ़ें।

[संख्या 43015/29/94-एल.एस. डब्ल्यू.]

नरेन्द्र भगत, निदेशक

CORRIGENDUM

New Delhi, the 22nd June, 1995

S.O. 1395.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Coal, number S.O. 504 dated the 7th February, 1995, published at pages 578 to 579 of the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii), dated 25th February, 1995,—

At page 578, in the Schedule, in the table, under Village/Mouza column,—

- (i) in serial No. 2, for "Nagarabhandh" read "Nagarabandh".

(ii) in serial No. 3, for "Bella-chhot "read" Belia-chhot".

[No. 43015/29/94-LSW]

N. BHAGAT, Director

आदेश

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 1996

का.आ. 1394.—कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन चिताली गई भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 1057, तारीख 28 मार्च, 1994 के, भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 7 मई, 1994 में प्रकाशित होने पर, उक्त अधिसूचना से गलत अनुसूची में वर्णित भूमि और भूमि में या उस पर के अधिकार (जैसे इसमें इसके पश्चात् उक्त भूमि कहा गया है) उक्त अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (i) के अधीन, सभी बिलनगमों से मुक्त होकर, आर्थिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो गए थे;

और, केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि संयुक्त ईस्टर्न कोल फिड्स लि., बिलासपुर (मध्य प्रदेश) सरकारी कंपनी (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त सरकारी कंपनी कहा गया है), ऐसे निबंधनों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार इस निमित्त अधिरोपित करना उचित समझे, अनुपालन करने के लिए राजमंद है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि इस प्रकार निहित उक्त भूमि और उक्त भूमि में या उस पर के अधिकार तारीख 7 मई, 1994 से केन्द्रीय सरकार में इस प्रकार निहित बने रहने को बचाये, निम्नलिखित निबंधनों और शर्तों के अधीन रहने हुए, उक्त सरकारी कंपनी में निहित हो जाएंगे, अर्थात्:—

- (1) उक्त सरकारी कंपनी, उक्त अधिनियम के उपबन्धों के अधीन अवधारित प्रतिभर, ब्याज, नुकसानी और वैसा ही सबों को बाबत किए गए सभी संशायों का केन्द्रीय सरकार को प्रतिपूर्ति करेगी;
- (2) उक्त सरकारी कंपनी द्वारा शर्त (i) के अधीन, केन्द्रीय सरकार को संदेय रकमों का अवधारण करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण का गठन किया जाएगा तथा ऐसे किता अधिकरण और ऐसे अधिकरण की सहायता के लिए नियुक्त व्यक्तियों के संबंध में उपगत सभी व्यव, उक्त कंपनी वहत करेगी और इसी प्रकार, इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या उस पर के अधिकारों के लिए या उनके संबंध में सभी विधिक कार्यवाहियों जैसे अपील आदि को बाबत उतगन सभी व्यव को, उक्त सरकारी कंपनी वहत करेगी;
- (3) उक्त सरकारी कंपनी, केन्द्रीय सरकार या उसके पदधारियों की, ऐसे किसी अन्य व्यव के संबंध में, जो इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या उस पर के अधिकारों के बारे में, केन्द्रीय सरकार या उसके पदधारियों द्वारा या उनके विरुद्ध किन्हीं कार्यवाहियों के संबंध में आवश्यक हो, क्षतिपूर्ति करेगी;
- (4) उक्त सरकारी कंपनी को, केन्द्रीय सरकार के पूर्ण अनुमोदन के बिना, उक्त भूमि अधिकार किसी अन्य व्यक्ति को अंतरित करने की शक्ति नहीं होगी; और
- (5) उक्त सरकारी कंपनी, ऐसे निदेशों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा, जब कभी आवश्यक हो, उक्त भूमि के विभिन्न क्षेत्रों के लिए दिए जाएं या अधिरोपित की जाएं, पालन करेगी।

[फा. सं. 43015/19/90-एल.एस. डब्ल्यू.]

श्रीमती प्रेमनता सैनी, प्रवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 16th April, 1996

S.O. 1396.—Whereas on the publication of the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 1057, dated the 28th March, 1994, in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 7th May, 1994, issued under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the land and the rights in or over the lands described in the Schedule appended to the said notification (hereinafter referred to as the said lands) vested absolutely in the Central Government, free from all encumbrances, under sub-section (1) of section 10 of the said Act;

And whereas the Central Government is satisfied that the South Eastern Coalfields Limited, Bilaspur (Madhya Pradesh) (hereinafter referred to as the said Company) a Government company is willing to comply with such terms and conditions as the Central Government thinks fit to impose in this behalf;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the said Act, the Central Government hereby directs that the said lands and rights in or over the said lands so vested shall, with effect from the 7th day of May, 1994, instead of continuing to so vest in the Central Government, vest in the said Company, subject to the following terms and conditions, namely:—

- (1) the said company reimburse the Central Government all payments made in respect

of compensation, interest, damages and the like, as determined under the provisions of the said Act;

- (2) a tribunal shall be constituted for the purpose of determining the amounts payable to the Central Government by the said Company under condition (1), and all expenditure incurred in connection with any such tribunal and persons appointed to assist the tribunal shall be borne by the said Company and similarly all expenditure incurred in respect of all legal proceedings like appeals, etc. for or in connection with the rights in or over the said lands so vesting shall also be borne by the said Company;
- (3) the said company shall indemnify the Central Government or its Official against any other expenditure that may be necessary in connection with any proceedings by or against the Central Government or its officials regarding the rights in or over the said lands, so vesting;
- (4) the said company shall have no power to transfer the said lands to any other person without the previous approval of the Central Government; and
- (5) the said company shall abide by such directions and conditions as may be given or imposed by the Central Government for Particular areas of the said lands, as and when necessary.

[No. 43015/19/90-LSW]

Mrs. P. L. SAINI, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 1996

का.आ. 1397.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 1 अक्टूबर, 1994 में प्रकाशित भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला मंत्रालय) की अधिसूचना का.आ. सं. 2526 तारीख 1 सितम्बर, 1994 द्वारा उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र की भूमि में जिसका माप 335.92 एकड़ (लगभग) या 136.00 हेक्टर (लगभग) है, कोयले का पूर्वक्षण करने के अपने आशय की सूचना की थी;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त भूमि के जूँपों में कोयला अभिप्राप्त है ;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उसमें संलग्न अनुसूची में वर्णित 335.92 एकड़ (लगभग) या 136 हेक्टर (लगभग) माप की भूमि के अर्जन करने के अपने आशय की सूचना देती है।

टिप्पण 1: इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. डी. आर. जी. सं. 2, तारीख 17 नवंबर, 1994 का निरीक्षण कलक्टर, बर्द्धवान (पं. बंगाल) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में या निदेशक (तकनीकी) ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि., सेक्टरिया, डाकघर-दिसेरगढ़, जिला—बर्द्धवान (पं. बंगाल) में दिया जा सकता है।

टिप्पण 2: कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की उक्त अधिनियम की धारा 8 के उपबंधों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित उपबंध हैं।

8. अर्जन के प्रतिआपत्तियां

(1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में जिसकी बाबत धारा 7 के अधीन अधिसूचना निकाली गई है, हितबद्ध है, अधिसूचना के निकाले जाने से तीस दिन के भीतर संपूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों का अर्जन किए जाने के बारे में आपत्ति कर सकेगा।

स्पष्टीकरण—इस धारा के अर्थान्तर्गत यह आपत्ति नहीं मानी जाएगी कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिए स्वयं खनन संक्रियाएं करनी चाहता है और ऐसी संक्रियाएं केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करनी चाहिए।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आपत्ति सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में की जाएगी और सक्षम प्राधिकारी आपत्तिकर्ता को स्वयं सुने जाने का या विधि व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देगा और ऐसी सभी आपत्तियों को सुनने के पश्चात् और ऐसी अतिरिक्त जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात् जो वह आवश्यक समझता है वह या तो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न टुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में आपत्तियों पर अपनी सिफारिशों और उसके द्वारा की गई कार्यवाही के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्टें केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए देगा।

(3) इस धारा के प्रयोजन के लिए वह व्यक्ति किसी भूमि में हितबद्ध समझा जाएगा जो प्रतिकर में हित का दावा करने का हकदार होता यदि भूमि या किसी ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिए जाते हैं।

टिप्पण 3: केन्द्रीय सरकार ने कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता को उक्त अधिनियम के अधीन अधिसूचना सं. का.आ. 2520, तारीख 27 मई, 1983 द्वारा भारत के राजपत्र, तारीख 11 जून, 1983 में पृष्ठ 2450 से 2453 पृष्ठ तक में प्रकाशित अधिसूचना द्वारा सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया है।

अनुसूची

सतग्राम क्षेत्र में सतग्राम परियोजना

(रेखा चित्र सं. 2, तारीख 17 नवंबर, 1994—अर्जित की जाने वाली भूमि को दर्शाते हुए)

क्र.सं. मौजा/ग्राम	अधिकारिता सूची संख्या	पुलिस थाना	क्षेत्र हैक्टर में	टिप्पणियां
1. जोवा	26	बर्देवान	136.00 हैक्टर (लगभग)	संपूर्ण
कुल क्षेत्र :			136.00 हैक्टर (लगभग) या 335.92 एकड़ (लगभग)	

जोवा मौजा (ग्राम) में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट —

2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262,

263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, .

सीमा वर्णन :

- क—ख रेखा, ग्राम (मौजा) कुंदलिया, अधिकारिता सूची सं. 25 और ग्राम (मौजा) खोसखुला, अधिकारिता सूची संख्या 27 की सम्मिलित सीमा के सम्मिलित बिंदु “क” से आरंभ होती है और “ख” बिंदु पर मिलती है। यह रेखा ग्राम (मौजा) जोधा अधिकारिता संख्या 26 के उत्तर की ओर है।
- ख—ग रेखा कुंदलिया ग्राम (मौजा) अधिकारिता सूची सं. 25 और ग्राम (मौजा) बनाली, अधिकारिता सूची सं. 31 के सम्मिलित बिंदु “ख” से आरंभ होती है। यह रेखा ग्राम मौजा जोधा संख्या 26 के पूर्व की ओर है।
- ग—घ रेखा, ग्राम (मौजा) बनाली, अधिकारिता सूची सं. 31 और ग्राम (मौजा) बोगरा अधिकारिता सूची संख्या 30 के सम्मिलित बिंदु “ग” से आरंभ होती है। यह रेखा ग्राम (मौजा) जोधा, अधिकारिता सूची संख्या 26 के पश्चिम की ओर है।
- घ—क रेखा, ग्राम (मौजा) बोगरा, अधिकारिता सूची सं. 30 और ग्राम (मौजा) खोसखुला संख्या 27 के सम्मिलित बिंदु “घ” से आरंभ होती है और “क” बिंदु पर मिलती है। यह रेखा ग्राम (मौजा) जोधा संख्या 26 के उत्तर पश्चिम की ओर है।

[फा. सं. 43015/3/94-एल.एस. डब्ल्यू.]

श्रीमती प्रेम लता सैनी, अवर सचिव

MINISTRY OF COAL

New Delhi, the 18th April, 1996

S.O. 1397.—Whereas by the Notification of Government of India in the Ministry of Coal Number S.O. 2526, dated the 1st September, 1994, issued under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act 1957 (20 of 1957), (hereinafter referred to as the said Act) and published in Part II, section 3, sub-section (ii) of the Gazette of India, dated the 1st October, 1994, the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 335.92 acres (Approximately) or 136 Hectares (Approximately) of lands in the locality specified in the Schedule appended to that notification.

And whereas the Central Government is satisfied that Coal is obtainable in the whole of the said land;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said 1044 GI/96—3

Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the land measuring 335.92 acres approximately or 136 Hectares (Approximately) described in the Schedule appended hereto ;

Note 1.—The plan bearing No. SRG. No. 2 dated the 17-11-1994 of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Collector, Burdwan (West Bengal) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the Director (Technical) Eastern Coalfields Limited, Sanctoria, Post Office Dishegarh, District Burdwan (West Bengal).

Note 2.—Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the said Act which provides as follows :—

Objection to acquisition.—

“8(1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty

days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or any rights in or over such land.

Explanation :—It shall not be an objection within the meaning of the section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

- (2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall after hearing all such objections and after making such further enquiry, if any, as he thinks necessary, either make a report in respect of the land, which has been notified under sub-section

(1) of the section (7) or all rights in or over such land, or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government containing his recommendations on the objections, together with the record of the proceedings held by him, for the decision of that Government.

- (3) For the purpose of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim our interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act.

Note 3.—The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta has been appointed by the Central Government as the competent authority under the Act vide notification No. 19/41/78-CL. S.O. 2520, dated 27th May, 1983, published in the Gazette of India, dated 11th June, 1983 at pages 2450 to 2453.

SCHEDULE

SATGRAM PROJECT OF SATGRAM AREA

(DRAWING No. 2, DATED THE 17TH NOVEMBER, 1994)

Serial number	Mouza village	Jurisdiction list No.	Police Station	District	Area in hectares	Remarks
1.	Joba	26	Jamuria	Burdwan	136.00 hectares (Approximately)	Full
Total Area:					136.00 hectares (Approximately) or 335.92 acres (approximately)	

Plots to be acquired in Mouza—Jobs :

2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337,

338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 541, 542, 543.

Boundary description :—

A-B : The line starts from point 'A' the junction point of common boundary of villages (mouzas) Aundalia, jurisdiction List No. 25 and Village (Mouza) Khoskhula, jurisdiction List No. 27 and meets at point 'B'. The line is in the north side of village (Mouza) Joba, jurisdiction No. 26.

B-C : The line starts from point 'B' the junction point of Kundalia Village (Mouza) Jurisdiction List No. 25 and Village (Mouza) Banali, Jurisdiction List No. 31. This line is on the eastern side of village (Mouza) Joba No. 26.

C-D : The line starts from point 'C' the junction point of village (Mouza) Banali, Jurisdiction List No. 31 and Village (Mouza), Bogra, Jurisdiction List No. 30 and meets at point 'D'. This line is on the western side of the Village (Mouza) Joba. Jurisdiction List No. 26.

D-A : This line starts from point 'D' the junction point of Village (Mouza) Sogra, Jurisdiction List No. 30 and Village (Mouza) Khoskhula No. 27 and meets at point 'A'. This line is on the north west side of the Village (Mouza) Joba No. 26.

[No. 43015/3/94-LSW]

MRS. P. L. SAINI, Under Secy.

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1996

का. आ. 1398.—भारत के राजपत्र भाग-II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में तारीख 27 मई 1995 में पृष्ठ क्रमांक 1996 से 1998 पर प्रकाशित भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. 1409 दिनांक 5 मई, 1995 में—
पृष्ठ क्रमांक 1996 पर—

1. अधिसूचना में "खोखला सं. सी-1(ई)/III एफ आर/549--594" के स्थान पर "खोखला सं. सी-1(ई) III/एफ आर/549--594 तारीख 10 मई, 1994" पढ़िए।

2. अनुसूची में क्रम संख्या 7 में ग्राम का नाम स्वयं के नाँवे "बुरखेडा" के स्थान पर "बुरखेडा" पढ़िए।

[का. सं. 43015/28/94--एल. एम. डब्ल्यू.]

श्रीमती पी. एल. सैनी, अवर सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 19th April, 1996

S.O. 1398.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Coal No. S.O. 1409 dated 5th May, 1995, published at pages 1996 to 1998 of the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 27th May, 1995—

At page No. 1998,—

(i) In schedule for "SIRLORI" read "SILORI".

(ii) Under the heading "Boundary description", in line "B-C-D-E", for "Silor" read "Silori".

[No. 43015/28/94-LSW]

MRS. P. L. SAINI, Under Secy.

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1996

का. आ. 1399.—भारत के राजपत्र भाग-II, खण्ड 3, उपखण्ड (II) में तारीख 27 मई 1995 में पृष्ठ 1989 से 1991 पर प्रकाशित भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. 1406 दिनांक 2 मई, 1995 में—
पृष्ठ क्रमांक 1990 में—

1. अनुसूची में क्रम संख्या 5 ग्राम का नाम स्वयं के नाँवे "डिह (खखमोहन)" के स्थान पर "सिखे (खखमोहन)" पढ़िए। और क्षेत्र हेक्टर में स्वयं के नाँवे "03.00" के स्थान पर "53.00" पढ़िए।

2. सीमा वर्णन में रेखा ख--ग में "भदोली और खानगांव" के स्थान पर "भदोली और खानगांव" पढ़िए। और "बोरगांव (बुई)" के स्थान पर "बोरगांव (बुई)" पढ़िए।

3. रेखा घ--क में "बेलौरी और बसनी" के स्थान पर "बेलौरी और बलनी" पढ़िए।

[का. सं. 43015/27/94--एल. एम. डब्ल्यू.]

श्रीमती पी. एल. सैनी, अवर सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 19th April, 1996

S.O. 1399.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Coal No. S.O. 1406 dated the 2nd May, 1995, published at pages 1989 to

1991 of the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated the 27th May, 1995—

शुद्धि पत्र

at page 1991—

- (1) In line 4, for “(Acquisition and Development)” read “(Acquisition and Development)” and for “(hereinafter referred to as the said Act)” read “(hereinafter referred to as the said Act)”.
- (2) In the schedule in Sl. No. 6, in column “Name of village” for “Dorili (mani)” read “Dorli (Mani)”.

[No. 43015/27/94-LSW]

MRS. P. L. SAINI, Under Secy.

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1996

का. आ. 1400.—भारत के राजपत्र तारीख 2 दिसंबर, 1995 के भाग-II, खण्ड 3 उपखण्ड (ii) में पृष्ठ क्रमांक 4216 से 4218 पर प्रकाशित भारत सरकार कायला मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3116 तारीख 6 जून, 1995 में:—

पृष्ठ क्रमांक—4216 में:— अधिसूचना में “रेखांक सं. सी. आई (ई)/III/जेजे एम आर/ 565/95” के स्थान पर “रेखांक सं. सी-1(ई)/III/जे जे एम आर/ 565-195” पढ़िए।

पृष्ठ क्रमांक 4217 पर:— अनुसूची में “मंजरी क्षेत्र” के स्थान पर “माजरी क्षेत्र” पढ़िए। और “कुल क्षेत्र में 334.30” के स्थान पर “कुल क्षेत्र में 334.38” पढ़िए।

[फा. सं. 43015/9/95—एल. एस. डब्ल्यू.]

श्रीमती पी. एल. सैनी, अवर सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 19th April, 1996

S.O. 1400.—In the notification of the Government of India, in the Ministry of Coal S.O. number 3116 dated the 6th June, 1995, published at pages 4216 to 4218 of the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) dated the 2nd December, 1995—

at page 4218—

- (1) in the notification, in line 13, for “Withn” read “within”.
- (2) in the Schedule, in line 3, for “Distret” read “District”.

[No. 43015/9/95-LSW]

MRS. P. L. SAINI, Under Secy.

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 1996

का. आ. 1401.—भारत के राजपत्र भाग II खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में तारीख 27 मई, 1995 में पृष्ठ 1987 से 1989 पर प्रकाशित भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. 1405 दिनांक 2 मई, 1995 में:—

पृष्ठ क्रमांक 1988 पर:—

1. सीमा वर्णन में:— रेखा “य--द” के स्थान पर “य--ब” पढ़िए और बिन्दु “ब” के स्थान पर बिन्दु “द” पढ़िए।

[फा. सं. 43015/20/94—एल. एस. डब्ल्यू.]
श्रीमती पी. एल. सैनी, अवर सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 22nd April, 1996

S.O. 1401.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Coal No. S.O. 1405 dated the 2nd May, 1995, published at page 1987 to 1989 of the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated the 27th May, 1995—

At page No. 1988,—

- (i) In line 6, for “The Plan bearing No. C-1-(E)III|FFR|555-0795” read “The plan bearing No. C-1(E)III|FFR|555-0794”.
- (ii) in line 11, (a) for “docmeunts” read “documents”, (b) for “Office-in-Charge” read “Officer-in-Charge”.

[No. 43015/20/94-LSW]

MRS. P. L. SAINI, Under Secy.

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 1996

का. आ. 1402.— भारत के राजपत्र तारीख 2 दिसंबर, 1995 के भाग -II, खण्ड -3, उपखण्ड (ii) में पृष्ठ क्रमांक 4221 से 4223 पर प्रकाशित भारत सरकार कोयला मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3118 तारीख 7 जून, 1995 में:—

पृष्ठ क्रमांक 4221 पर

1. अधिसूचना में परिच्छेद 3 में “रेखांक सं. सी-1(ई)/III/जेजे आर/548” के स्थान पर “रेखांक सं. सी-1 (ई)/III/जेजेआर/ 548-0494, तारीख 8 अप्रैल, 1994” पढ़िए।
2. अनुसूची “क” में “मंजरी क्षेत्र” के स्थान पर “माजरी क्षेत्र” पढ़िए।
3. अनुसूची “ख” में क्रम संख्या 1 में बनरज का नाम रतम्भ के नीचे “आरक्षित बन” के स्थान पर “आरक्षित बन चिमूर रेंज” पढ़िए। और तहसील रतम्भ के नीचे “चिधूर” के स्थान पर “चिमूर” पढ़िए। और जहाँ कहीं यह शब्द प्रयुक्त हुआ हो उसी स्थान पर “चिमूर” पढ़िए। और जिला रतम्भ के नीचे “मचंद्रपुर” के स्थान पर “चंद्रपुर” पढ़िए।

4. सीमा वर्णन में रेखा “ख-ग” में “चंद्रपुर” के स्थान पर “चंद्रपुर जिला की” पढ़िए।

पृष्ठ क्रमांक 4222 पर रेखा "ब-छ-क" में ग्राम "मिजरी" के स्थान पर "ग्राम "मिजरी" पढ़िए।

[फा. सं. 43015/4/95-एल एस डब्ल्यू]

श्रीमती पी. एम. सैनी, अवर सचिव

dated the 7th June, 1995, published at pages 4221 to 4223 of the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-Section (ii) dated the 2nd December, 1995:—

at page 4222—

CORRIGENDUM

New Delhi, the 22nd April, 1996

S.O. 1402.—In the notification of the Government of India, in the Ministry of Coal S.O. number 3118,

in the notification, in line 3, for "Coal Rearing" read "Coal Bearing".

[No. 43015/4/95-LSW]

MRS. P. L. SAINI, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1996

का. आ. 1403.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई और भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), 1 अप्रैल, 1995 में प्रकाशित भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 882, तारीख 10 मार्च, 1995 द्वारा उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र में की भूमि जिसका माप 3296.918 हेक्टर (लगभग) या 8146.68 एकड़ (लगभग) है, कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी ;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त भूमि के भाग में कोयला अभिप्राप्त है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 2821.65 हेक्टर (लगभग) या 6972.30 एकड़ (लगभग) माप की भूमि खनिजों के खनन, बोर करने, उनकी खुदाई और तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकारों के अर्जन करने के अपने आशय की सूचना देती है ;

टिप्पण :—1. इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. एस. ई. सी. एल./बी. एस. पी./जी. एम. (पी. ए. जी.)/भूमि/163, तारीख 15 जनवरी, 1996 का निरीक्षण कलेक्टर, बिलासपुर (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाऊस स्ट्रीट, कलकत्ता-700001 के कार्यालय में या साउथ ईस्टर्न-कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग), सीपत रोड, बिलासपुर-495006 (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में किया जा सकता है।

टिप्पण :—2. उक्त अधिनियम की धारा 8 के उपबंधों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित उपबंध हैं :—

अर्जन की बाबत आपत्तियां:—

8(1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में जिस की बाबत धारा 7 के अधीन अधिसूचना निकाली गई है, हितबद्ध है, अधिसूचना के निकाले जाने से तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों का अर्जन किए जाने के बारे में आपत्ति कर सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इस धारा के अर्थान्तर्गत यह आपत्ति नहीं मानी जाएगी कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिए स्वयं खनन सक्रियाएं करनी चाहता है और ऐसी सक्रियाएं केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करनी चाहिए।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आपत्ति सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में की जाएगी और सक्षम प्राधिकारी आपत्तिकर्ता को स्वयं सुने जाने का या विधि व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देगा और ऐसी सभी आपत्तियों को सुनने के पश्चात् और ऐसी अनिरीक्षित जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात् जो वह आवश्यक समझता है वह या तो धारा 7 की उप-धारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के सम्बन्ध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न टुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के सम्बन्ध में आपत्तियों पर अपनी सिफारिशों और उसके द्वारा की गई कार्यवाही के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए देगा।

(3) इस धारा के प्रयोजन के लिए वह व्यक्ति किसी भूमि में हितबद्ध समझा जाएगा जो प्रतिकर में हित का दावा करने का हकदार होता, यदि भूमि या किसी ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिए जाते हैं।

टिप्पण :—3. केन्द्रीय सरकार ने कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाऊस स्ट्रीट, कलकत्ता-700001 को उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 4 अप्रैल, 1987 पृष्ठ 1397 से 1400 पर प्रकाशित अधिसूचना सं. का. आ. 905, तारीख 20 मार्च, 1987 द्वारा सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया गया है।

अनुसूची

विजय खंड

सेंदुरगढ़ कोषला क्षेत्र

जिला ---बिलासपुर (मध्य प्रदेश)

चिरिमिरी क्षेत्र

रेखांक सं. एस. ई. सी. एल./बी. एस. पी./जी. एम./

(पी. एल. जी.)/भूमि/163, तारीख 15 जनवरी, 96

खनन अधिकारुः

(क) वन-भूमि

क्रम सं.	वन कम्पाटमेंट सं.	रेंज	प्रभाग	क्षेत्र हेक्टर में	टिप्पणियां
01.	190	पसान	बिलासपुर	3.238	भाग
02.	192	पसान	बिलासपुर	191.014	भाग
03.	193	पसान	बिलासपुर	340.587	भाग
04.	194	पसान	बिलासपुर	428.876	सम्पूर्ण
05.	198	पसान	बिलासपुर	196.194	भाग
06.	199	पसान	बिलासपुर	306.269	भाग
07.	200	पसान	बिलासपुर	354.430	सम्पूर्ण
08.	204	पसान	बिलासपुर	164.466	भाग
09.	205	पसान	बिलासपुर	371.020	भाग
योग :				2356.094	हेक्टर (लगभग)

(ख) राजस्व भूमि

क्रम सं.	ग्राम का नाम	पटवारी हल्का तहसील संख्या	जिला	क्षेत्र हेक्टर में	टिप्पणियां
01.	रानी-अटारी (असर्वक्षित)	7	कटघोरा	बिलासपुर	45.973 सम्पूर्ण
02.	बिजाईड (असर्वक्षित)	7	कटघोरा	बिलासपुर	93.241 सम्पूर्ण
03.	पुटीपखना (असर्वक्षित)	7	कटघोरा	बिलासपुर	91.298 भाग
04.	तनैरा	7	कटघोरा	बिलासपुर	235.044 भाग
योग :				465.556	हेक्टर (लगभग)

कुल योग : 2821.650 हेक्टर (लगभग) या 6972.30 एकड़ (लगभग)

वन कम्पार्टमेंट सं. अर्जित की जाती है।

190 (भाग), 192 (भाग), 193 (भाग), 194, 198 (भाग), 199(भाग), 200, 204 (भाग), 205 (भाग)।

1. प्लाट संख्यांक ग्राम रानी-कटारी (संपूर्ण) अर्जित में अर्जित की जाती है।

2. प्लाट संख्यांक ग्राम बिजांड (सम्पूर्ण) अर्जित में अर्जित की जाती है।

3. प्लाट संख्यांक ग्राम पुटीपखना (भाग) अर्जित में अर्जित की जाती है।

4. प्लाट संख्यांक ग्राम तनेरा (भाग) में अर्जित की जाती है।

प्लाट संख्यांक 27, 28, 194 (भाग), 195 (भाग), 199/1, 199/2 (भाग), 199/3, 199/4, 199/5 (भाग), 199/6, 199/7, 199/8, 199/9, 199/10, 199/11, 199/12, 199/13, 199/14, 199/15, 199/16, 200 (भाग), 201(भाग) 202/1(भाग) 202/2 202/3, 202/4 (भाग), 203 से 208 तक, 209/1, 209/2, 210/1 210/2, 210/3, 210/4, 211 से 220, 221/1, 221/2, 221/3, 221/4, 221/5, 222 से 245 तक, 246/1, 246/2, 247, 248/1(भाग), 248/2(भाग), 249(भाग), 252(भाग), 253(भाग), 254/1(भाग), 255 से 259 तक, 260(भाग), 261, 262, 263/1, 263/2, 263/3, 263/4, 263/5, 263/6, 264, 265, 266(भाग), 283(भाग), 353/1 (भाग), 354(भाग), 355, 356, 357(भाग), 358(भाग), 360(1)(भाग), 482/1(भाग), 483(भाग), 464/2 (भाग), 188/1, (भाग), 488/5(भाग), 490, 491(भाग), 492 से 494, 495/1(भाग), 497 (भाग), 498, 499(भाग), 500(भाग) 502(भाग), 508(भाग), 509(भाग), 510(भाग), 511(भाग), 512, 513(भाग), 514 से 517, 518/1, 518/2, 519, 520, 521/1, (भाग), 521/2, 521/3 521/4, 521/5, 523(भाग), 525, 539 (भाग)।

सीमा वर्णन :

क—ख	रेखा वन कम्पार्टमेंट संख्यांक 195—198 की सम्मिलित सीमा पर बिन्दु 'क' से प्रारंभ होती है और वन कम्पार्टमेंट संख्यांक 198, 199 से होकर जाती है फिर ग्राम तनेरा में प्रवेश करती है तथा प्लाट संख्यांक 521/1, 523, 521/1, 194, 195, 199/5, 199/2, 200, 201, 202/1, 202/4, 283, 266, 354, 353/1, 360/1, 353/1 से होकर जाती है और बिन्दु 'ख' पर मिलती है।
ख—ग	रेखा प्लाट संख्यांक 353/1, 360/1, 358, 357, 260, 252, 253, 254/1, 249/2, 249, 248/1, 508 509, 510 511, 513, 502 513 500 499, 497, 495/1, 482/1, 483, 491, 484/2, 491, 488/5, 488/1, 491, 539, 491 से होकर ग्राम तनेरा में जाती है फिर वन कम्पार्टमेंट संख्यांक 205 और 204 से होते हुए बिन्दु 'ग' पर मिलती है।
ग—ग1	रेखा वन कम्पार्टमेंट संख्यांक 204 से होकर जाती है और वन कम्पार्टमेंट संख्यांक 204, 205, 200
ग2—घ	की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'घ' पर मिलती है।
घ—ड.—ड.2	रेखा ग्राम पुटीपखना से होकर जाती है और बिन्दु 'ड.3' पर मिलती है।
ड.3	
ड.3—च	रेखा ग्राम पुटीपखना से होकर जाती है फिर वन कम्पार्टमेंट संख्यांक 193, 192 से होकर बिन्दु 'च' पर मिलती है।
च—छ	रेखा वन कम्पार्टमेंट संख्यांक 192, 190 से होकर जाती है और बिन्दु 'छ' पर मिलती है।
छ—ज	रेखा वन कम्पार्टमेंट संख्यांक 190, 192 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'ज' पर मिलती है।
ज—ज1—ज2—ज3—झ	रेखा वन कम्पार्टमेंट संख्यांक 194 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'झ' पर मिलती है।
झ—क	रेखा प्लाट संख्यांक 195—198 की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ भागतः जाती है और प्रारंभिक बिन्दु 'क' पर मिलती है।

[सं. : 4303/5/2/95-एल. एस. डब्ल्यू.]

श्रीमती प्रेम लता सेनी, अवर सचिव

New Delhi, the 24th April, 1996

S.O. 1403.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 882 dated the 10th March, 1995, issued under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act) and published in Part II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India, dated the 1st April, 1995, the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 3296.918 hectares (approximately) or 8146.68 acres (approximately) of the lands in the locality specified in the Schedule annexed to that notification;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in a part of the said lands;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 2821.650 hectares (approximately) or 6972.30 acres (approximately) described in the Schedule appended hereto;

Note : 1.—The plan bearing No : SECL/BSP/GM(PLG)/LAND/163, dated the 15th January 1996 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Collector, Bilaspur (Madhya Pradesh) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta, 700 001 or in the Office of the South Eastern Coalfields Limited (Revenue Section), Seepat Road, Bilaspur 495006 (Madhya Pradesh).

Note : 2.—Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the said Act, which provides as follows :—
Objection to acquisition :

“8(1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may,

within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land;

Explanation :—It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing, and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall after hearing all such objections and after making such after hearing all such objections and after making such further inquiry, if any as he thinks necessary, either makes a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section for the right in or over such land, or makes different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendations on the objections, together with the records of the proceedings held by him, for the decision of that Government.

(3) For the purpose of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act”.

Note 3.—The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta, 700001, has been appointed by the Central Government as the competent authority under Section 3 of the said Act, vide notification number S.O. 905, dated the 20th March 1987, published in Part II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India, dated the 4th April, 1987, at pages 1397 to 1400.

**SCHEDULE
VIJAY BLOCK
SENDURGARH COALFIELD
DISTRICT—BILASPUR (MADHYA PRADESH)
CHIRIMIRI AREA
Plan No. : SECL/BSP/GM(PLG)/LAND/163
Dated : 15th January, 1996.**

**MINING RIGHTS
(A) FOREST LAND**

Serial Number	Forest compartment number	Range	Division	Area in hectares	Remarks
1.	190	Pasan	Bilaspur	3.238	Part
2.	192	Pasan	Bilaspur	191.014	Part
3.	193	Pasan	Bilaspur	240.587	Part
4.	194	Pasan	Bilaspur	428.876	Full
5.	198	Pasan	Bilaspur	196.194	Part
6.	199	Pasan	Bilaspur	306.269	Part
7.	200	Pasan	Bilaspur	354.430	Full
8.	204	Pasan	Bilaspur	164.466	Part
9.	205	Pasan	Bilaspur	371.020	Part
TOTAL				2356.094	Hectares (Approx)

(B) REVENUE LAND

Serial Number	Name of Village	Patwari Halka Number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Rani Atari (Unsurveyed)	7	Katghora	Bilaspur	45.973	Full
2.	Bijudand (unsurveyed)	7	Katghora	Bilaspur	93.241	Full
3.	Putipakhana (unsurveyed)	7	Katghora	Bilaspur	91.298	Part
4.	Tanera	7	Katghora	Bilaspur	235.044	Part
TOTAL :					465.556 Hectares (Approx)	

GRAND TOTAL : 2821.650 Hectares (approximately) OR 6972.30 ACRES (Approx)

Forest Compartment numbers to be acquired.

190 (part), 192 (Part), 193 (Part), 194, 198 (Part), 199 (Part), 200, 204 (Part), 205 (Part).

1. Plot numbers to be acquired in village Raniatari (Full) Unsurveyed.

2. Plot numbers to be acquired in village Bijadand (Full) Unsurveyed.

3. Plot numbers to be acquired in village Putipakhana (Part) Unsurveyed.

4. Plot numbers to be acquired in village Tanera (Part) 27, 28, 194 (Part), 195 (Part), 199/1, 199/2 (Part), 199/3, 199/4, 199/5 (Part), 199/6, 199/7, 199/8, 199/9, 199/10, 199/11, 199/12, 199/13, 199/14, 199/15, 199/16, 200 (part), 201 (Part), 202/1 (Part), 202/2, 202/3, 202/4 (Part), 203 to 208, 209/1, 209/2, 210/1, 210/2, 210/3, 210/4, 211 to 220, 221/1, 221/2, 221/3, 221/4, 221/5, 222 to 245, 246/1, 246/2, 247, 248/1 (Part) 248/2, (Part), 249 (Part), 252 (Part), 253 (Part), 254/1 (Part), 255 to 259, 260 (Part), 261, 262, 263/1, 263/2, 263/3, 263/4, 263/5, 263/6, 264, 265, 266 (Part), 283 (Part), 353/1 (Part), 354 (Part), 355, 356, 357 (Part), 358 (Part), 360/1 (Part) 482/1 (Part), 483 (Part), 484/2 (Part), 488/1 (Part), 488/5 (Part), 490, 491 (Part), 482 to 494, 495/1 (Part), 497 (Part), 498, 499 (Part), 500 (Part), 502 (Part), 508 (Part), 509 (Part), 510 (Part), 511 (Part), 512, 513 (Part), 514 to 517, 518/1, 518/2, 519, 520, 521/1 (Part), 521/2, 521/3, 521/4, 521/5, 523 (Part), 525, 539 (Part).

BOUNDARY DESCRIPTION

A-B Line starts from point 'A' on the common boundary of Forest Compartment number 195—198 and passes through Forest Compartment number 198, 199 then enter in village Tanera and passes through Plot

numbers 521/1, 523, 521/1, 194, 195, 199/5, 199/2, 200, 201, 202/1, 202/4, 283, 266, 354, 353/1, 360/1, 353/1 and meets at point 'B'.

B-C Line passes in village Tanera through Plot numbers 353/1, 360/1, 358, 357, 260, 252, 253, 254/1, 248/2, 249, 248/1, 508, 509, 510, 511, 513, 502, 513, 500, 499, 497, 495/1, 482/1, 483, 491, 484/2, 491, 488/5, 488/1, 491, 539, 491 then through Forest Compartment number 205 and 204 and meets at Point 'C'.

C-C1-C2-D Line passes through Forest Compartment number 204 and passes along the Southern boundary of forest compartment number 204, 205, 200 and meets at point 'D'.

D-E-E1-E2-E3 Line passes through village Putipakhana and meets at Point 'E3'.

E3-F Line passes through village Putipakhana then through Forest compartment number 193, 192 and meets at point 'F'.

F-G Line passes through forest compartment number 192, 190 and meets at point 'G'.

G-H Line passes along the Eastern Boundary of Forest Compartment Number 190, 192 and meets at point 'H'.

H-H1-H2-H3-I Line passes along the Northern boundary of Forest Compartment number 194 and meets at point 'I'.

I-A Line passes partly along the common boundary of plot numbers 195—198 and meets at the starting point 'A'.

[No. 43015/2/95-LSW]

P.L. SAINI, Under Secy.

गई दिखी, 24 मई, 1996

का.आ. 1404.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला प्राप्ति क्षेत्र (अर्जन और विभाजन) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 27 मई, 1995 में प्रकाशित भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 1401 तारीख 17 अप्रैल, 1995 द्वारा इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट पट्टे की भूमि में जिसका माप 388.77 एकड़ (लगभग) या 157.335 हेक्टर (लगभग) है खनिजों के खनन, खदान, बोर करने और उनकी खुदाई करने और उन्हें तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकारों का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 8 के (1)खण्ड में, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का, पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और मध्य प्रदेश सरकार से परामर्श करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इससे संलग्न उक्त अनुसूची में वर्णित 388.77 एकड़ (लगभग) या 157.335 हेक्टर (लगभग) माप वाली भूमि में खनिजों के खनन, खदान बोर करने, उनकी खुदाई करने और उन्हें तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकार अर्जित किए जाने चाहिए।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इससे संलग्न उक्त अनुसूची में वर्णित 388.77 एकड़ (लगभग) या 157.335 हेक्टर (लगभग) माप वाली भूमि में खनिजों के खनन, खदान बोर करने, उनकी खुदाई करने और उन्हें तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकार अर्जित किए जाने हैं।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. एस. ई.सी. एल./वी.एस.पी./जी.एम./पी.एल.जी./यू. गि/155 तारीख 22 सितम्बर, 1995 का निरीक्षण कलेक्टर गन्डोल (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला निगम, 1, कार्डमिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में या साउथ ईस्टर्न कोसकीन्ग लिमिटेड (राजस्व विभाग) सीपत रोड, बिलासपुर 495001 (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में किया जा सकता है।

अनुसूची

ग्रामांडांड खंड 3

सोहागपुर कोलफील्ड्स

जमुना-कोल्सा क्षेत्र

जिला : गन्डोल (मध्य प्रदेश)

खनन अधिकार

क्रम सं.	ग्राम	पट्टावारी हल्का संख्यांक	तहसील	जिला	क्षेत्र हेक्टर में	टिप्पणियाँ
01.	भलवाही	28	कोल्सा	गन्डोल	28.582	भाग
02.	बरतराई	24	कोल्सा	गन्डोल	127.753	भाग
					कुल : 157.335 हेक्टर (लगभग)	
					या 388.77 एकड़ (लगभग)	

1. ग्राम भलवाही में अर्जित किए गए खनन संख्यांक (भाग)

4 (भाग), 56(भाग), 65(भाग), 66 से 72, 73(भाग), 74, 75 (भाग), 78(भाग), 79(भाग), 80, 81(भाग), 82(भाग), 83(भाग), 84 (भाग), 100(भाग), 101(भाग), 102(भाग), 103 से 138, 139 (भाग), 151(भाग) 235(भाग), 250(भाग) 262(भाग), 263(भाग), 264(भाग), 265 से 269, 270(भाग), 275(भाग) 276 से 320, 321 (भाग) 322(भाग), 325(भाग), 326(भाग), 327(भाग), 328(भाग), 328(भाग), 330(भाग)

2. ग्राम बरतराई में अजित किए गए खसरा संख्यांक (भाग)

1 से 313, 314 (भाग), 315(भाग), 316(भाग), 317(भाग), 318(भाग), 319 से 323, 324(भाग), 325 (भाग), 355(भाग), 370(भाग), 371 से 643, 644(भाग), 645, 646(भाग), 647(भाग), 648(भाग), 652 (भाग), 653 से 671, 672(भाग), 673(भाग), 674 से 679, 680(भाग), 681(भाग), 704(भाग), 706(भाग), 707(भाग), 708(भाग), 709 से 800, 801(भाग), 802(भाग), 803, 804, 805(भाग), 806, 807, 808(भाग), 850(भाग), 851(भाग), 852(भाग), 853(भाग), 862(भाग), 664/885, 62/886, 64/887, 109/888, 263/889, 264/890, 278/891, 278/892, 324/893 (भाग), 573/896, 574/897, 687/898, 389/900, 459/901, 490-902, 589/903।

सीमा वर्णन :

क—ख रेखा ग्राम बलगा और बरतराई की सम्मिलित सीमा पर बिंदु “क” से प्रारंभ होती है और ग्राम बरतराई से होते हुए खसरा सं. 893, 324, 325, 318, 317, 316, 315, 314, 316, 370, 353, 862, 801, 853, 852, 853, 851, 850, 805, 808, 704, 707, 708, 706, 680, 681, 673, 672, 652, 646, 647, 648, 644 से होकर जाती है और ग्राम बरतराई तथा भलवाही की सम्मिलित सीमा पर बिंदु “ख” पर मिलती है।

ख—ग रेखा ग्राम भलवाही से होते हुए खसरा नं. 330, 327, 328, 329, 326, 325, 322, 321, 250, 275, 270, 271, 264, 263, 262, 235, 139, 151 से होकर जाती है और बिंदु “ग” पर मिलती है।

ग—घ—ङ रेखा ग्राम भलवाही से होते हुए खसरा सं. 56, 65, 81, 82, 83, 84, 79, 78, 73, 75, 100, 102, 101, 102, 4 से होकर जाती है और भलवाही और आमडांड की सम्मिलित सीमा पर बिन्दु “ङ” मिलती है।

ङ—च रेखा ग्राम भलवाही और आमडांड की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और ग्राम भलवाही आमडांड तथा बरतराई के तिराहे पर बिंदु “च” पर मिलती है।

च—छ—ज रेखा ग्राम भलवाही और आमडांड की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है तथा बरतराई आमडांड और मलगा की ग्राम सीमा के तिराहे पर बिंदु “ज” पर मिलती है।

ज—झ—क रेखा ग्राम बरतराई और मलगा की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और प्रारंभिक बिंदु “क” पर मिलती है।

[सं. 43015/10/94 एल.एस.डब्ल्यू]

श्रीमती प्रेम लता सेनी, प्रवर सचिव

New Delhi, the 24th April, 1996

S.O. 1404.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 1401, dated the 17th April 1995 issued under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), and published in Part II, Section 3, Sub-Section (ii) of the Gazette of India, dated 27th May, 1995, the Central Government gave notice of its intention to acquire the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 388.77 acres (approximately) or 157.335 hectares (approximately) in the locality specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the competent authority, in pursuance of section 8 of the said Act, has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the report aforesaid and after consulting the Government of Madhya Pradesh, is satisfied that the rights to mine, quarry,

bore, dig and search for win, work and carry away minerals in the lands measuring 388.77 acres (approximately) or 157.335 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the rights to mine, quarry, bore, dig and search for win, work and carry away minerals in the lands measuring 388.77 acres (approximately) or 157.335 hectares (approximately) described in the said Schedule appended hereto are hereby acquired.

The plan bearing No. : SECL/BSP/GM(PLG)/LAND/155 dated 22nd September, 1995 of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Collector, Shahdol (Madhya Pradesh) or in the Office of the Coal Controller, 1 Council House Street, Calcutta or in the Office of the Southern Eastern Coalfields Limited (Revenue Department), Seepat Road, Bilaspur 495-006 (Madhya Pradesh).

SCHEDULE

AMADAND BLOCK III

SOHAGPUR COALFIELDS, JAMUNA KOTMA AREA

DISTRICT SHAHDOL (MADHYA PRADESH)

MINING RIGHTS

Serial Number	Village	Patwari Halka Number	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Bhalwani	28	Kotma	Shahdol	28.582	Part
2.	Bartarai	24	Kotma	Shahdol	128.753	Part
TOTAL:					157.335 hectares (approximately) or 388.77 areas (approximately)	

1. Khasra numbers acquired in village (Bhalwahi (Part) 4 (part), 56 (part), 65 (part), 66 to 72, 73 (part), 74, 75 (part), 78 (part), 79 (part), 80, 81 (part), 82 (part), 83 (part), 84 (part), 100 (part), 101 (part), 102 (part), 103 to 133, 139 (part), 151 (part), 235 (part), 250 (part), 262 (part), 263 (part), 264 (part), 265 to 269, 270 (part), 271 (part), 275 (part), 276 to 320, 321 (part), 322 (part), 325 (part), 326 (part), 327 (part), 328 (part), 329 (part), 330 (part).

2. Khasra numbers acquired in village Bartarai (part), 1 to 313, 314 (part), 315 (part), 316 (part), 317 (part), 318 (part), 319 to 323, 324 (part), 325 (part), 355 (part), 370 (part), 371 to 643, 644 (part), 645, 646, (part), 647 (part), 648 (part), 652 (part), 653 to 671, 672 (part), 673 (part), 674 to 679, 680 (part), 681 (part), 704 (part), 706 (part), 707 (part), 708 (part), 709 to 800, 801 (part), 802 (part), 803, 804 805 (part), 806, 807, 808 (part), 850 (part), 851 (part), 852 (part), 853 (part), 862 (part), 664/885, 62/886, 64/887, 109/888, 263/889, 264/890, 278/891, 278/892, 324/893 (part), 573/896, 574/897, 667/898, 389/900, 459/901, 490/902, 589/903.

Boundary Description :

A-B Line starts from point 'A' on the common boundaries of villages Malga and Bartarai and passes through village Bartarai through Khasra numbered 893, 324, 325, 318, 317, 316, 315, 314, 316, 370, 355, 802, 801, 802, 853, 852, 853, 851, 850, 805, 808, 704, 707, 708, 706, 680, 681, 673, 672, 652, 646, 647, 648, 644

and meets on the common boundaries of villages Bartarai and Bhalwahi at point 'B'.

B-C Line passes through village Bhalwahi, through Khasra numbers 330, 327, 328, 329, 326, 325, 322, 321, 250, 275, 270, 271, 264, 263, 262, 235, 139, 151 and meets at point 'C'.

C-D-E Line passes through village Bhalwahi through Khasra numbers 56, 65, 81, 82, 83, 84, 79, 78, 73, 75, 100, 102, 101, 102, 4 and meets on the common boundaries of villages Bhalwahi and Amadand at point 'D'.

E-F Line passes along the common boundaries of village Bhalwahi and Amadand and meets on the Tri-junction of village Bhalwahi, Amadand and Bartarai at Point 'F'.

F,G,H Line passes along the common boundaries of village Bhalwahi and Amadand and meets on the tri-junction of village boundaries of Bartarai, Amadand and Malga at point 'H'.

H-I-A Line passes along the common boundaries of village Bartarai and Malga and meets on the starting point at 'A'.

[No. 43015/10/94-LSW]

MRS. P. L. SAINI, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1996

का. मा. 1405.—केन्द्रीय सरकार, को यह प्रतीत होता है कि इसमें उपावद्ध अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वक्षण करने के अपने प्राणय की सूचना देती है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले रेखांक स. एम. ई. सी.एल./बी एस पी/जी एम (पी. एल. जी.) भूमि 164, तारीख 13 फरवरी, 1996 पर निरीक्षण साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड राज्य अनुभाग, मोपत रोड, बिलासपुर-495006 के कार्यालय में या कलेक्टर, सरगुजा (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1 काउंसिल हाउस स्ट्रीट कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि में हितबद्ध सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नक्शों, चार्टों और अन्य दस्तावेजों, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर, भार साधक अधिकारी/विभागाध्यक्ष (राजस्व), साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, सीपत रोड, बिलासपुर, -495006 (मध्य प्रदेश) को भेजेंगे।

अनुसूची

महान विद्युत परियोजना

मंडगांव क्षेत्र

जिला सरगुजा (मध्य प्रदेश)

रेखांक सं. एस ई सी एल/बी एस पी/जी एस (पी एल जी/भूमि
164, तारीख 13-2-1996

(पूर्वोक्षण के लिए अधिसूचित भूमि दर्शाते हुए)

क्रम सं.	ग्राम का नाम	ग्राम सं.	तहसील	जिला	क्षेत्र हेक्टर में	टिप्पणियां
1.	त्रिसाही	12	सूरजपुर	सरगुजा	27.280	भाग
2.	पोडी	9	सूरजपुर	सरगुजा	88.080	भाग
3.	कपसरा	15	सूरजपुर	सरगुजा	123.120	भाग
4.	दुर्ती	22	प्रतापपुर	सरगुजा	08.880	भाग
5.	सेंधोपारा	21	प्रतापपुर	सरगुजा	03.760	भाग
					कुल	251.120 हेक्टर (लगभग)
					या	620.52 एकड़ (लगभग)

सीमा वर्णन

क-ख रेखा दुर्ती सेंधोपारा ग्रामों की सम्मिलित सीमाओं पर बिन्दु "क" से आरम्भ होती है और सेंधोपारा, कपसरा ग्रामों से होकर जाती है तथा बिन्दु "ख" पर मिलती है।

ख-ग रेखा ग्राम त्रिसाही से होकर जाती है और बिन्दु "ग" पर मिलती है।

ग-क रेखा पोडी और दुर्ती ग्रामों से होकर जाती है और आरंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं. 43015/6/96-एल.एस.डब्ल्यू.]

श्रीमती प्रेम लता सैनी, अवर सचिव

New Delhi, the 24th April, 1996

S.O. 1405.-Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan bearing No. SECI/BSP/GM(PLG)/Land/64 dated the 13th February, 1996 of the area covered by this

notification can be inspected in the office of the South Eastern Coalfields Limited, Revenue Section, Seepat Road, Bilaspur-495005 or in the office of the Collector, Surguja (Madhya Pradesh) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Officer-in-Charge/Head of the Department (Revenue), South Eastern Coalfields Limited, Seepat Road, Bilaspur-495006 (Madhya Pradesh) within ninety days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

MAHAN OPEN CAST PROJECT

BHATGAON AREA

DISTRICT—SURGUJA (MADHYA PRADESH)

(Plan No. : SCCU/BS/PGM/(PLG)/Land/164 dated 13-2-1996)

(Showing land notified for prospecting)

Serial No.	Name of village	Village No.	Tahsil	District	Area in hectares	Remarks
1.	Bisahi	12	Surajpur	Surguja	27.280	Part
2.	Podi	9	Surajpur	Surguja	88.080	Part
3.	Kapsara	15	Surajpur	Surguja	123.120	Part
4.	Durti	22	Pratappur	Surguja	08.880	Part
5.	Sendhopara	21	Pratappur	Surguja	03.760	Part
TOTAL			251.120 hectares (approximately)			
			or			
			620.52 acres (approximately)			

Boundary description :—

A-B—Line starts from point 'A' on the common boundaries of villages Durti-Sendhopara and passes through villages Sendhopara, Kapsara and meets at point 'B'.

A-C—Line passes through village Bisahi and meets at point 'C'.

C-A—Line passes through village Podi, Durti and meets at the starting point 'A'.

[No. 43015/6/96-LSW]

MRS. P. L. SAINI, Under Secy.

नई, दिल्ली 25 अप्रैल, 1996

का. आ. 1406—केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 1 अप्रैल, 1995 में प्रकाशित भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 880 तारीख 8 मार्च, 1995 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र में 5480.70 एकड़ (लगभग) 2218.012 हेक्टर (लगभग) माप की भूमि में खनिजों के खनन बोर करने उनकी खुदाई और खोज करने उन्हें प्राप्त करने उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकारों का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और मध्य प्रदेश सरकार में परामर्श करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 5480.70 एकड़ (लगभग) या 2218.012 हेक्टर (लगभग) माप की भूमि में खनिजों के खनन बोर करने उनकी खुदाई और खोज करने उन्हें प्राप्त करने उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकारों को अर्जित किया जाना चाहिए;

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए यह घोषणा करती है कि इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 5480.70 एकड़ (लगभग) या 2218.012 हेक्टर लगभग माप की भूमि में खनिजों के खनन बोर करने उनकी खुदाई और खोज करने उन्हें प्राप्त करने उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकार अर्जित किए जाते हैं।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. एम ई या एल बी एस पी / जी एम. (पी एल जी)/भूमि/ 158, तारीख 29 नवम्बर, 1995 की निरीक्षण कन्वेक्टर बिलासपुर (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट कलकत्ता के कार्यालय में या माउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड राजस्व विभाग), सीपत रोड, बिलासपुर 495006 (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में किया जा सकता है।

अनुसूची

राजागंवार द्वितीय उत्तर विस्तार ब्लॉक

कोरवा कोलफील्ड

जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश)

खतम अधिकार

क्रम संख्या	ग्राम	पटवारी हल्का संख्यांक	तहसील / जिला रेंज	क्षेत्र हेक्टर में	टिप्पणी
01.	बेला (सर्वेक्षण रहित)	8	कोरवा	बिलासपुर	2100.060 सम्पूर्ण
02.	केसला	7	कोरवा रेंज	बिलासपुर	24.281 भाग
03.	आरक्षित वन कम्पार्टमेंट संख्यांक 585	---	कोरवा रेंज	कोरवा वन प्रभाग	71.435 भाग
04.	आरक्षित वन कम्पार्टमेंट संख्यांक 595	---	कोरवा	कोरवा वन प्रभाग	22.236 भाग

कुल : 2218.012 हेक्टर (लगभग)
या

5480.70 एकड़ (लगभग)

01. बेला ग्राम में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक (सम्पूर्ण) सर्वेक्षण रहित
02. केसला ग्राम में अर्जित किए गए प्लॉट संख्यांक (भाग) 50 (भाग)
03. अर्जित किया गया आरक्षित वन कम्पार्टमेंट संख्यांक (भाग) 585 (भाग)
04. अर्जित किया गया आरक्षित वन कम्पार्टमेंट संख्यांक (भाग) 595 (भाग)

सीमा वर्णन

- क-ख रेखा, बेला, डोनडो, केसला ग्रामों के तिराहे पर "क" बिन्दु से आरंभ होती है और बेला डोनडो बेला सरायवाली ग्रामों की सम्मिलित सीमाओं के साथ साथ जाती है और "ख" बिन्दु पर मिलती है।
- ख-ग रेखा ग्राम बेला और आरक्षित वन कम्पार्टमेंट संख्यांक 631 की सम्मिलित सीमा के साथ साथ जाती है, फिर आरक्षित वन कम्पार्टमेंट संख्यांक 595 में होते हुए "ग" बिन्दु पर मिलती है।
- ग-घ रेखा, वन कम्पार्टमेंट संख्यांक 585 से होकर जाती है फिर ग्राम बेला तथा आरक्षित वन कम्पार्टमेंट संख्यांक 585, बेला और पतरापाली की सम्मिलित सीमाओं के साथ साथ जाती है और "घ" बिन्दु पर मिलती है।
- घ-क रेखा, ग्राम बेला और गौरना बेला और डेसला की सम्मिलित सीमाओं के साथ साथ जाती है फिर ग्राम केसला के प्लॉट संख्यांक 50 से होकर और आरंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं. 43015/20/93-एल एस डब्ल्यू]

श्रीमती प्रेम लता सैनी, अधीक्षक सचिव

New Delhi, the 25th April, 1996

S.O. 1406,—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Coal Number S.O. 880, dated the 8th March, 1995, issued under sub-section (I) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (Hereinafter referred to as the said Act), and published in Part II, Section 3, Sub-Section (ii) of the Gazette of India, dated 1st April, 1995, the Central Government gave notice of its intention to acquire the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 5480.70 acres (approximately) or 2218.012 hectares (approximately), in the locality specified in the Schedule appended to that notification:

And whereas the competent authority, in pursuance of section 8 of the said Act, has made his report to the Central Government.

And whereas the Central Government, after considering the report aforesaid and after consulting the

Government of Madhya Pradesh, is satisfied that the rights to mine, quarry, bore, dig and search for win, work and carry away minerals in the lands measuring 5480.70 acres (approximately) or 2218.012 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto, should be acquired;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (I) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the rights to mine, quarry, bore, dig and search for win, work and carry away minerals in the lands measuring 5480.70 acres (approximately) or 2218.012 hectares (approximately) described in the said Schedule appended hereto are hereby acquired.

The plan bearing No. SECL/BSP/GM(PLG)/Land/158, dated 29th November, 1995, of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Collector, Bilaspur (Madhya Pradesh) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the Office of the South Eastern Coalfields Limited (Revenue Department) Seepat Road, Bilaspur 495006 (Madhya Pradesh).

SCHEDULE

Rajgamar 2nd North Extension Block

Korba Coalfield

District-Bilaspur (Madhya Pradesh)

Mining Rights

Sl.No.	Village	Patwari Halka number	Tehsil/Range	District	Area in hectares	Remarks
1.	Bela (unsurveyed)	8	Korba	Bilaspur	2100.060	Full
2.	Kesla	7	Korba	Bilaspur	24.281	Part
3.	Reserved forest compartment number 585	—	Range-Korba	Korba Forest division Korba	71.435	Part
4.	Reserved forest compartment number 595	—	Range-Korba	Korba forest division Korba	22.236	Part

Total: 2218.012 hectares (approximately)

or

5480.70 acres (approximately)

1. Plot numbers acquired in village Bela (Full): Unsurveyed.

2. Plot number acquired in village Kesla (Part): 50(Part).

3. Reserved forest compartment number acquired: 585(part).

4. Reserved forest compartment number acquired: 595(Part).

Boundary description.

A-B Line starts from point 'A' on the trijunction point of villages Bela, Dondro, Kesla and passes along with common boundaries of villages Bela-Dondro, Bela-Saraipali and meets at point 'B'.

B-C Line passes along the common boundary of village Bela and Reserved forest compartment number 631, then through reserved forest compartment number 595 and meets at point 'C'.

C-D Line Passes through forest compartment number 585 then along the common boundaries of village Bela and Reserved forest compartment number 585, Bela and patrapali and meets at point 'D'.

D-A Line passes along the common boundaries of villages Bela and Gomma Bela and Kesla, then through village Kesla through plot number 50 and meets at the starting point 'A'.

[No. 43015/20/93-LSW]

MRS. P. L. SAINI, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 1996

का. आ. 1407.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक अर्जन क्षेत्र और विकास), अधिनियम 1957 (1957 का 20) जिसे उसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उप-धारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उप-खंड (ii) तारीख 1 अप्रैल 1995 में प्रकाशित भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना का आ. सं 881 तारीख 8 मार्च, 1995 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र की भूमि में जिसका माप 2537.673 हेक्टर (लगभग) या 6270.59 एकड़ (लगभग) है, कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दी थी।

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है : उक्त भूमि के भाग में कोयला अभिप्राप्त है।

अनः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 500.615 हेक्टर (लगभग) या 1237.02 एकड़ (लगभग) माप की भूमि या ऐसी भूमि में खनिजों के खनन खदानें बोर करने उनकी खुदाई और तलाश करने उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें जाने के अधिकारों का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना देती है।

टिप्पण 1. इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले रेखांक सं. एम.ई. सी. एल./बी.एस. पी./जी.एम. (पी.एलजी. भूमि/156 तारीख 26 अक्टूबर 1995 का निरीक्षण कलेक्टर बिलास पुर (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट कलकत्ता के कार्यालय में या साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) सीपत रोड, बिलासपुर-49500 (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में किया जा सकता है।

टिप्पण 2:— उक्त अधिनियम की धारा 9 के उपबन्धों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित उपबन्ध है।

“8” अर्जन के प्रति आक्षेप

(1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में जिसकी बावत धारा 7 के अधीन अधिसूचना निकाली गई है, हितबद्ध है, अधिसूचना के निकाले जाने से तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों का अर्जन किए जाने के बारे में आपत्ति कर सकेगा।

स्पष्टीकरण —इस धारा के अर्थान्तर्गत यह आपत्ति नहीं मानी जाएगी कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिये स्वयं खनन संचालनाएँ करनी चाहता है और ऐसी संचालनाएँ केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करनी चाहिए।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आपत्ति सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में की जाएगी और सक्षम प्राधिकारी आपत्तिकर्ता को स्वयं सुने जाने का या विधि व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देगा और ऐसी आपत्तियों को सुनने के पश्चात् और ऐसी अतिरिक्त जांच यदि कोई हो, करने के पश्चात् जो वह आवश्यक समझता है, वह या तो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न टुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के सम्बंध में आपत्तियों पर अपनी सिफारिशों और उसके बाद की गई कार्यवाही के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए देगा।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए वह व्यक्ति किसी भूमि में हितबद्ध समझा जाएगा जो प्रतिकर में हित का दावा करने का हकदार होता यदि भूमि या किसी ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकार इस अधिनियम के अधीन अर्जित कर लिए जाते हैं।

टिप्पण 3. केन्द्रीय सरकार ने कोयला नियंत्रक 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता 700 001 को उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उप-खंड (ii) तारीख 1 अप्रैल, 1987 के पृष्ठ 1397 से 1400 पर प्रकाशित अधिसूचना का.आ.सं. 905 तारीख 20 मार्च, 1987 द्वारा सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया है।

अनुसूची
करताली ब्लॉक
कोरवा कोलफील्ड्स
जिला—बिलासपुर (म.प्र.)

(अर्जन के लिए अधिसूचित भूमि वर्णित हुए)

खनन अधिकार

क्र.सं.	ग्राम का नाम	पटवारी हल्का सं.	तहसील	जिला	क्षेत्र हेक्टर में	टिप्पण
01.	डोंगानाला	26	कटघोरा	बिलासपुर	10.882	भाग
02.	गणेशपुर (असर्वेक्षित)	26	कटघोरा	बिलासपुर	8.296	भाग
03.	करताला	26	कटघोरा	बिलासपुर	458.887	भाग
04.	तेंदुभाठा	26	कटघोरा	बिलासपुर	22.550	भाग
		कुल	500.615 हेक्टर (लगभग)			
			या			
			1237.02 एकड़ (लगभग)			

01. ग्राम डोंगानाला (भाग) में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक

3(भाग), 5(भाग), 6, 13 से 38, 39(भाग), 40, 41(भाग), 72(भाग), 73, 74(भाग), 75(भाग), 77(भाग), 78 से 80, 81(भाग), 82, 83(भाग), 84, 75, 86(भाग), और 120(भाग)।

02. ग्राम गणेशपुर (भाग) में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक असर्वेक्षित

03. ग्राम करताला (भाग) में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक

1 से 27, 27(भाग), 29 से 52, 53(भाग), 54 से 56, 57(भाग), 58, (भाग), 62(भाग), 63(भाग), 65 (भाग), 66(भाग), 146(भाग), 150 से 193, 194(भाग), 195, 196, 197(भाग), 285(भाग), 291(भाग), 294 (भाग), 295 से 297, 298(भाग), 301(भाग), 302(भाग), 303 से 314, 315/1, 315/2, 316 से 323, 324(भाग), 325(भाग), 329(भाग), 330(भाग), 332(भाग), 333(भाग), 334, 335, 336(भाग), 337(भाग), 338(भाग), 339 से 341, 342(भाग), 343 से 453, 454/1, 454/2, 455 से 502, 503(भाग), 504(भाग), 505(भाग), 506(भाग), 512(भाग), 514 से 584, 585(भाग), 586(भाग), 596(भाग), 597(भाग), 598(भाग), 603(भाग), 606 से 617, 618(भाग), 621(भाग), 622(भाग), 623 से 629, 630(भाग), 631(भाग), 635(भाग), 637(भाग), 638(भाग), 639(भाग), 640 से 642, 643(भाग), 644 से 649, 650(भाग), 666(भाग), और 668(भाग)।

04. ग्राम तेंदुभाठा (भाग) में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट संख्यांक

100(भाग), 101 से 118, 119(भाग), 122(भाग), 123(भाग) और 124(भाग)।

सीमा वर्णन

क—ख रेखा डोंगानाला, डोमिया तेंदुभाठा ग्रामों के तिराहे से “क” बिंदु से प्रारंभ होती है और ग्राम तेंदुभाठा की भागतः पश्चिमी सीमा के साथ-साथ चलती है और बिंदु “ख” पर मिलती है।

ख—ग—ग1 रेखा ग्राम तेंदुभाठा में प्लॉट संख्यांक 100 से होकर प्लॉट संख्यांक 116 की उत्तर पूर्वी सीमा के साथ-साथ चलती है उसके बाद प्लॉट संख्यांक 119, 122, 123, 124 से होकर जाती है। इसके बाद ग्राम करताला में प्रवेश करती है और प्लॉट संख्यांक 53, 57, 53, 58, 53, 28, 333, 332, 336, 337 से होकर गुजरती है। उसके पश्चात् प्लॉट संख्यांक 340 की भागतः उत्तरी सीमा के साथ-साथ प्लॉट संख्यांक 338, 330, 62, 63, 65, 66, 63, 329, 330, 342, 324, 325, 294, 291, 298, 301, 302 से होकर फिर प्लॉट संख्यांक 303, की भागतः उत्तरी सीमा के साथ-साथ प्लॉट संख्यांक 285 से होकर जाती है और “ग” बिंदु पर मिलती है।

ग1—ग2—घ रेखा ग्राम करताला में प्लॉट संख्यांक 197, 146, 650, 643, 666, 668, से होकर गुजरती है उसके बाद प्लॉट संख्यांक 668 की पूर्वी सीमा के साथ-साथ चलती है उसके पश्चात् प्लॉट संख्यांक 668, 637 से होकर गुजरती है और “घ” बिंदु पर मिलती है।

- ब—ड रेखा ग्राम करताला में प्लॉट संख्यांक 637, 638, 639, 631, 630, 635, 622, 621, 618, 603, 598, 596, 597, 596, 194, 586, 512, 585, 512, 506, 505, 503, 504 से होकर गुजरती है और "ड" बिंदु पर मिलती है।
- ड—ब-ड रेखा करताला ग्राम की भागतः दक्षिणी सीमा के साथ-साथ चलती है जो नाला के साथ-साथ भी जाती है उसके पश्चात् ग्राम गणेशपुर से होकर जाती है। उसके पश्चात् डोंगानाला से होकर प्लॉट संख्यांक 86, 83, 81, 75, 77, 74, 39, 130 से होकर गुजरती है और "छ" बिंदु पर मिलती है।
- छ—क रेखा ग्राम डोंगानाला से होकर प्लॉट संख्यांक 120, 39, 72, 41, 5 से होकर प्लॉट संख्यांक 6, 18, 17, 16, 15, 14, 13 की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ चलती है प्लॉट संख्यांक 3 से होकर आगे जाती है उसके पश्चात् ग्राम करताला-डोंगानाला की भागतः सम्मिलित सीमा के साथ-साथ चलती है और आरंभिक बिंदु "क" पर मिलती है।

[सं. 43015/19/94-एन.ए.ड.ड.ड.]

श्रीमती प्रेमलता सैनी, अध्वर सचिव

New Delhi, the 25th April, 1996

S.O. 1407.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 881, dated the 8th March, 1995, issued under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act) and published in Part II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India, dated the 1st April, 1995, the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 2537.673 hectares (approximately) or 6270.59 acres (approximately) of the lands in the locality specified in the Schedule annexed to that notification;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in a part of the said lands;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 500.615 hectares (approximately) or 1237.02 acres (approximately) described in the Schedule appended hereto;

NOTE : 1. The plan bearing No. SECL/BSP/GM(PLG)/LAND/156, dated the 26th October, 1995 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Collector, Bilaspur (Madhya Pradesh) or in the office of the Coal Controllor, 1, Council House Street, Calcutta, 700001 or in the office of the South Eastern Coal-fields Limited (Revenue Section), Seepat Road, Bilaspur 495001 (Madhya Pradesh).

NOTE : 2. Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the said Act, which provides as follows :—

Objection to acquisition :

8(1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been

issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land of any rights in or over such land,

Explanation :—It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing, and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further inquiry, if any as he thinks necessary, either makes a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land, or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendation on the objections, together with the record of the proceedings held by him, for the decision of that Government.

(3) For the purpose of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act.

NOTE : 3. The Coal Controllor, 1, Council House Street, Calcutta 700001 has been appointed by the Central Government as the competent authority under section 3 of the said Act, vide notification under S.O. 905, dated the 20th March, 1987, published in Part-II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India, dated the 4th April, 1987, at page 1397 to 1400.

SCHEDULE

Kartali Block

Korba Coalfields

District-Bilaspur (Madhya Pradesh)

Mining Rights

(Showing intention to acquire lands)

Sl. No.	Name of Village	Patwari Halka Number	Tehsil	District	Area in Hectares.	Remarks
1.	Donganala	26	Katghora	Bilaspur	10.882	Part
2.	Ganeshpur (un-surveyed)	26	Katghora	Bilaspur	8.296	Part
3.	Kartala	26	Katghora	Bilaspur	458.887	Part
4.	Tendubhatha	26	Katghora	Bilaspur	22.550	Part

Total: 500.615 Hectares (Approximately)

or

1237.02 Acres (approximately)

- Plot numbers to be acquired in village—Donganala (Part) 3(Part), 5(Part), 6, 13 to 38, 39 (Part), 40, 41 (Part), 72 (Part), 73, 74(Part), 75(Part), 77(Part), 78 to 80 81 (Part), 82, 83(Part), 84, 85, 86(Part) & 120(Part).

- Plot number to be acquired in village—Ganeshpur (Part) (un-surveyed)

- Plot numbers to be acquired in village—Kartala (Part) 1 to 27, 28(Part), 29 to 52, 53(Part), 54 to 56, 57(Part), 58(Part), 62(Part), 63(Part), 65(Part), 66(Part), 146(Part), 150 to 193, 194(Part), 195, 196, 197(Part), 285(Part), 291(Part), 294(Part), 295 to 297, 298(Part), 301 (Part), 302(Part), 303 to 314, 315|1, 315|2, 316 to 323, 324(Part), 325(Part), 329(Part), 330(Part), 332(Part), 333 (Part), 334, 335, 336(Part), 337 (Part), 338(Part), 339 to 341, 342(Part), 343 to 453, 454|1, 454|2, 455 to 502, 503(Part), 504(Part), 505(Part), 506(Part), 512(Part), 514 to 584, 585 (Part), 586(Part), 596(Part), 597(Part), 598(Part), 603(Part), 606 to 617, 618 (Part), 621(Part), 622(Part), 623 to 629, 630(Part), 631(Part), 635(Part), 637 (Part), 638(Part), 639(Part), 640 to 642, 643(Part), 644 to 649, 650(Part), 666 (Part), & 668(Part).

- Plot numbers to be acquired in village—Tendubhatha (Part) 100(Part), 101 to 118, 119(Part), 122(Part), 123(Part), & 124 (Part).

Boundary Description.

A-B Line start from point 'A' on the Trijunction of villages Donganala, Domia, Tendubhatha and passes partly along the Western boundary of village Tendubhatha and meets at point 'B'.

B-C-C1 Line passes through village Tendubhatha through plot number 100, along the North Eastern boundary of plot number 116, then through plot numbers 119, 122, 123, 124 then enter in village Kartala and passes through plot numbers 53, 57, 53, 58, 53, 28, 333, 332, 336, 337 then partly along the northern boundary of plot number 340, through plot numbers 338, 330, 62, 63, 65, 66, 63, 329, 330, 342, 325, 294, 291, 298, 301, 302, then partly along the northern boundary of plot number 303, through plot numbers 285, and meets at point 'C1'.

C1-C2-D Line passes through village Kartala through plot numbers 197, 146, 650, 643, 666, 668, then partly along the eastern boundary of plot number 668 then through plot numbers 668, 637 and meets at point 'D'.

D-E Line passes through village Kartala through plot numbers 637, 638, 639, 631, 630, 635, 622, 621, 618, 603, 598, 596, 597, 596, 194, 586, 512, 585, 512, 506, 505, 503, 504 and meets a point 'E'.

E-F-G Line passes partly along the Southern boundary of village Kartala which is also along the Nullah then through village Ganeshpur then through village Donganala, through plot numbers 86, 83, 81, 75, 77, 74, 39, 74, 39, 120 and meets at point 'G'.

G-A Line passes through village Donganala through plot numbers 120, 39, 72, 41, 5 along with the Western boundary of plot numbers 6, 18, 17, 16, 15, 14, 12, proceeds through plot number 3, then partly along the common boundary of village Kartala-Donganala and meets at the starting point 'A'.

[No. 43015/19/94-LSW]
MRS. P. L. SAINI, Under Secy.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

संशोधन

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 1996

का. आ. 1408--भारत के राजपत्र दिनांक 28-03-95 के भाग II खण्ड 3 उपखण्ड (ii) में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय भारत सरकार के का. आ. संख्या 257 (अ)/24.03.95 ने पेट्रोलियम और खनिज पार्श्व लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 6 की उपधारा (1) के अंतर्गत प्रकाशित अधिसूचना जो कि ग्राम सूजर्मा तहसील कलारम जिला मुरैना के संबंध में थी, को निम्नानुसार पढ़ा जाये :—

राजपत्र के अनुसार		निम्न संशोधन के अनुसार पढ़ा जाये		
क्रम सं.	सर्वेसंख्या	क्षेत्रफल हेक्टेयर में	सर्वेसंख्या	क्षेत्रफल हेक्टेयर में
09	1815	00.4703	1815	00.4801
10	1828	00.0127	1828	00.0029
11	1584	00.2925	1584	00.2865
13	1596	00.1053	1596	00.0213
12	1595	00.2610	1595/1	00.1305
	---	---	1595/2	00.1305
18	1557/1	00.3690	1557/1	00.1290
19	1557/2	00.0720	1557/2	00.0720
	---	---	1557/3	00.2400
32	1680	00.0050	1680/1	00.0050

[संख्या एल-14016/8/95 जी पी]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

MINISTRY OF PETROLEUM & NATURAL GAS CORRIGENDUM

New Delhi, the 25th April, 1996

S.O. 1408.—In the Gazette of India Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 257(E) dated 24-3-95 published on 28-3-95 under sub-section (i) of section 6 of the Petroleum & Mineral Pipeline (Acquisition of Right of Users in Land) Act, 1962

(50 of 1962) in respect of village Sujarama, Tehsil Kailaras, District Morena be read as follows :—

As per Gazette		Be read as Corrected Below		
Sr. No.	Survey No.	Area in Hectare	Survey No.	Area in Hectare
09.	1815	00.4703	1815	00.4801
10.	1828	00 0127	1828	00.0029
11.	1584	00.2925	1584	00.2865
13.	1596	00.0153	1596	00.0213
12.	1595	00 2610	1595/1	00.1305
	—	—	1595/2	00.1305
18.	1557/1	00.3690	1557/1	00.1290
19.	1557/2	00 0720	1557/2	00 0720
	—	—	1557/3	00.2400
32.	1680	00.0050	1680/1	00.0050

[No. L-14016/8/95-G.P.]
ARDHENDU SEN, Director

संशोधन

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 1996

का. आ. 1409--भारत के राजपत्र दिनांक 28-03-95 के भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के का. आ. संख्या 256 (अ) दिनांक 24-03-95 से पेट्रोलियम और खनिज पार्श्व लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 6 की उपधारा (i) के अंतर्गत प्रकाशित अधिसूचना जो कि ग्राम टेलरी तहसील जिला मुरैना के संबंध में थी को निम्नानुसार पढ़ा जाय :—

राजपत्र के अनुसार		निम्न संशोधन के अनुसार पढ़ा जाये		
क्र. सं.	सर्वे संख्या	क्षेत्रफल हेक्टेयर में	सर्वे संख्या	क्षेत्रफल हेक्टेयर में
3	69	00.0055	69/1	00.0035
7	45	00.1905	45	00.1340
8	46	00.0480	46	00.1045
10	43	00.1481	43	00.1493
11	42	00.0012	---	---
12	40	00.0018	---	---
13	38	00.2082	38	00.2100

[संख्या एल-14016/8/95-जी.पी.]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

CORRIGENDUM

New Delhi, the 25th April, 1996

S.O. 1409.—In the Gazette of India Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 256(E) dated 24-3-95 published on 28-3-95 under sub-section (i) of section 6 of the Petroleum and Mineral Pipeline (Acquisition of Right of Users in Land) Act, 1962 (50 of

1962) in respect of village Telari, Tehsil Jaura, District Morena be read as follows :—

As per Gazette

Be read as Corrected Below

Sr. No.	Survey No.	Area in Hectare	Survey No.	Area in Hectare
3.	69	0.0055	69/1	0.0055
7.	45	0.1905	45	0.1340
8.	46	0.0480	46	0.1045
10.	43	0.1481	43	0.1493
11.	42	0.0012	—	—
12.	40	0.0018	—	—
13.	38	0.2082	38	0.2100

[No. L-14016/8/95—G.P.]

ARDHENDU SEN, Director

संगीधन

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 1996

का. प्रा. 1410.—भारत के राजपत्र दिनांक 28-3-95 के भाग-II खंड 3 उपखंड (ii) में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के का. प्रा. संख्या 256(अ) 24-3-95 से पेट्रोलियम और खनिज पादप

लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का भर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 6 (1) की उपधारा (1) के अन्तर्गत प्रकाशित अधिसूचना जो कि ग्राम हुसैनपुर तहसील जौरा, जिला - मुरैना के संबंध में थी, को निम्नानुसार पढ़ा जाये।

राजपत्र के अनुसार

निम्न संगीधन के अनुसार पढ़ा जाये

क्र.सं.	सर्वे संख्या	क्षेत्रफल हेक्टेयर में	सर्वे संख्या	क्षेत्रफल हेक्टेयर में
9	328	00.0054	328	00.0046
10	325	00.4686	325/1	00.2200
	—	—	325/2	00.1678
	—	—	325/3	00.0800
14	314	00.4755	314/4	00.2355
	—	—	314/5	00.2400

[संख्या एन - 14016/8, 95 - जी. पी.]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

CORRIGENDUM

New Delhi, the 25th April, 1996

S.O. No. 1410. In the Gazette of India Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 256(E) dated 24-3-95 published on 28-3-95 under sub-section (i) of Section 6 of the Petroleum and Mineral Pipeline (Acquisition of Right of Users in Land) Act, 1962 (50 of 1962) in respect of village Husainpur, Tehsil Jaura, District Morena be read as follows :—

As per Gazette

Be Read as Corrected Below

Sl. No.	Survey No.	Area in Hectare	Survey No.	Area in Hectare
9.	328	00.0054	328	00.0046
10.	325	00.4686	325/1	00.2200
	325/2	00.1678
	..	—	325/3	00.0800
14.	314	00.4755	314/4	00.2355
	—	—	314/5	00.2400

[No. L—14016/8/95 G.P.]

ARDHENDU SEN, Director

कृषि मंत्रालय

(पशुपालन एवं डेयरी विभाग)

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1996

सा. का. 1411.—भारतीय पशुचिकित्सा परिषद अधिनियम, 1984 (1984 का 52) की धारा 15 की उपधारा (2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय पशुचिकित्सा परिषद से परामर्श करके एतद्वारा उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची में, उपशीर्ष "उपाधियाँ" के अंतर्गत क्रम संख्या 50 तथा उससे संबंधित प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित क्रम संख्याएं तथा प्रविष्टियाँ जोड़ी जाएंगी नामतः :—

क्र. सं.	विश्वविद्यालय अथवा पशुचिकित्सा संस्थान	मान्यता प्राप्त पशु चिकित्सा अर्हता	पंजीकरण के लिए संक्षिप्त नाम
1	2	3	4
51.	पशु तथा मत्स्य विज्ञान का पश्चिम बंगाल विश्वविद्यालय, कलकत्ता	पशुचिकित्सा विज्ञान तथा पशु-पालन में स्नातक	बी.वी.एस.सी. एवं ए. एच. यह अर्हता उपरोक्तानुसार केवल तभी मान्यता प्राप्त पशुचिकित्सा अर्हता मानी जाएगी जब यह 1 अप्रैल, 1995 को अथवा उसके बाद 31-12-2000 तक प्रदान की गई हो।

1	2	3	4
52.	इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर	पशुचिकित्सा विज्ञान तथा पशु-पालन में स्नातक	बी. बी. एम. सी. एवं ए. एच. यह अर्हता उपरोक्तानुसार केवल तभी मान्यता प्राप्त पशुचिकित्सा अर्हता मानी जाएगी जब यह 27 दिसम्बर, 1990 को अथवा उसके बाद 31-12-2000 तक प्रदान की गई हो।
53	कृषि विज्ञान विश्व-विद्यालय, धारवाड़।	पशुचिकित्सा विज्ञान में स्नातक	बी.बी.एस.सी. यह अर्हता उपरोक्तानुसार केवल तभी मान्यता प्राप्त पशुचिकित्सा अर्हता मानी जाएगी जब यह 16 अप्रैल 1990 को अथवा उसके बाद 31-12-2000 तक प्रदान की गई हो।

[काइल संख्या 52-2/96-एल. डी. टी. (वी. टी.)]
एल. सी. मेहरा, भवर अधिकारी

टिप्पणी :—भारतीय पशुचिकित्सा परिषद अधिनियम, 1984 भारत के राजपत्र में (1984 का अधिनियम संख्या 52) दिनांक 18 अगस्त, 1984 को प्रकाशित हुआ था तथा उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची में तत्पश्चात् इन सा. का. संख्याओं द्वारा उनमें संशोधन किया गया :—

- (1) सा. का. 2841 दिनांक 12-10-1990
- (2) सा. का. 823 दिनांक 20-4-1993
- (3) सा. का. 1165 दिनांक 4-4-1995
- (4) सा. का. 3252 दिनांक 13-11-1995

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Animal Husbandry and Dairying)

New Delhi, the 19th April, 1996

S. O. 1411 :—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 15 of the Indian Veterinary Council Act, 1984 (52 of 1984), the Central Government, after consulting the Veterinary Council of India, hereby makes the following further amendment in the First Schedule to the said Act, namely :—

In the First Schedule to the said Act, under the sub-heading "Degrees", after serial number 50 and the entries relating thereto, the following serial numbers and entries shall be inserted, namely :—

Sl. No.	University or Veterinary Institution	Recognised Veterinary qualification	Abbreviation for registration
1	2	3	4
"51.	West Bengal University of Animal and Fishery Sciences, Calcutta.	Bachelor of Veterinary Science and Animal Husbandry.	B.V.Sc. & A.H. This qualification shall be a recognised veterinary qualification as aforesaid only when granted on or after the 17th April, 1995 to 31-12-2000.

1	2	3	4
52. Indira Gandhi Krishi Vishwa- vidyalaya, Raipur.	Bachelor of Veterinary Science and Animal Husbandry.	B.V.Sc. & A.H. This qualification shall be a recog- nised veterinary qualification as aforesaid only when granted on or after the 27th December, 1990 to 31-12-2000.	
53. University of Agricultural Sciences, Dharwad.	Bachelor of Veterinary Science.	B.V.Sc. This qualification shall be a recog- nised veterinary qualification as aforesaid only when granted on or after the 16th April, 1990 to 31-12-2000.	

[File No. 52-2/96—LDT(VC)]

L.C. MAHARRA, Under Secy.

Note :—The Indian Veterinary Council Act, 1984 was published in the Gazette of India vide Act (number 52 of 1984) dated 18th August, 1984 and The First Schedule to the said Act were subsequently amended vide number :—

- (i) S.O. 2841 dated 12-10-1990.
- (ii) S.O. 823 dated 20-04-1993.
- (iii) S.O. 1165 dated 04-04-1995.
- (iv) S.O. 3252 dated 13-11-1995.

नागर विमानत्व और पर्यटन मंत्रालय

(नागर विमानत्व विभाग)

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1996

का.आ. 1412.—भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम, 1994 (1994 का 55) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार ने श्री एस. पी. तालुकदार के स्थान पर श्री एस. सी. त्रिपाठी, सुरक्षा आयुक्त, नागर विमानत्व सुरक्षा ब्यूरो की भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के बोर्ड के अंगिकाधीन सदस्य के रूप में हुई नियुक्ति को तुरन्त प्रभाव से अनुमोदित कर दिया है।

[संख्या ए.पी. 24015/005/94-वी. बी.]

पी. एस. राधाकृष्ण, धन्य सचिव

MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND TOURISM

(Department of Civil Aviation)

New Delhi, the 31st March, 1996

S.O. 1412.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Airports Authority of India Act, 1994 (55 of 1994), the Central Government has approved the appointment of Shri S. C. Tripathi, Commissioner of Security, Bureau of Civil Aviation Security as part-time Member on the Board of Airports Authority of India with immediate effect vice Shri S. P. Talukdar.

[No. AV-24015/005/94-VB]

P. S. RADHAKRISHNA, Under Secy.

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1996

का.आ. 1413.—राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिये प्रयोग) नियम, 1976 के नियम-10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय) का कार्यालय, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन क्षेत्रीय श्रमायुक्त (केन्द्रीय) का कार्यालय, जबलपुर को पत्रद्वारा अधिसूचित करती है।

[संख्या ई-11011/1/93-रा.भा.नी.]

दिनेश जेहन, श्रम और रोजगार सलाहकार

New Delhi, the 15th April, 1996

S.O. 1413.—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 of the Official Language (use for official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the Office of Regional Labour Commissioner (Central), Jabalpur, an office under the administrative control of Chief Labour Commissioner (Central), Ministry of Labour, New Delhi.

[F. No. E-11011/1/93-R.B.N.]
D. K. TREHAN, Labour and Employment Advisor

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 1996

का.आ. 1414.—औद्योगिक बिबाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार के हलिदिया डॉक कामप्लेक्स के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में

निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 12-4-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-32012/2/92-आई.आर. (बिबिध)]
बी.एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 16th April, 1996

S.O. 1414.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, as shown in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Haldia Dock Complex and their workmen which has received by the Central Government on the 12-4-96.

[F. No. L-32012/2/92-I R(Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
AT CALCUTTA

Reference No. 13 of 1993

PARTIES :

Employers in relation to the management of Haldia Dock Complex.

AND

Their workmen

PRESENT :

Mr. Justice K. C. Jagadeh Roy—Presiding Officer.

APPEARANCE :

On behalf of Management.—Mr. H. S. Banerjee, Junior Assistant Manager.

On behalf of Workmen.—None.

STATE : West Bengal

INDUSTRY : Port

AWARD

By Order No. L-32012/2/92-IR(Misc.) dated 21-1-1993, the Central Government in exercise of its powers under section 10(1)(d) and (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the management of Haldia Dock Complex in refusing to correct the age recorded in the Service Book of Sri Sobodh Chandra Das, G. P. Hand, working under Manager, Marine Department of Haldia Dock Complex on the basis of School Transfer certificate submitted by him is lawful and justified ? If not, to what relief the concerned workman is entitled to ?”

2. It is a reference of the year 1993. The management is represented by Mr. H. S. Banerjee, Junior Assistant Manager of the Haldia Dock Complex, whereas the workman has not yet been legally represented by any one, even though Mr. R. L. Banerjee, vice president of the Union appeared for the workmen without any authority in the year 1993. Since 17-4-1995 none has appeared for the workman even though the notice of the proceeding had been received by the union on 5-4-1995 and no steps has been taken by the workman since then for leading any evidence in the case.

3. Since no case can be decided without any materials on record and I find from the records that since 17-4-1995 none appears for the workman, I am to hold that the workman has given up his case and does not want to press for his relief, if any. No materials is also placed before me

suggesting that the workman has unduly been kept out of Court. Accordingly, I dispose of the reference by passing a “No Dispute” Award.

Dated, Calcutta,

The 28th March, 1996.

K. C. JAGADEB ROY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 1996

का.आ. 1415—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार दूरसंचार के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, कोटा के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-4-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-40012/123/89-आई आर (डीयू)]

के.वि.बि. उण्णी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 18th April, 1996

S.O. 1415.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Kota as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Telecom and their workman, which was received by the Central Government on 16-4-96.

[No. L-40012/123/89-IR(DU)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

अनुबंध

न्यायाधीश, औद्योगिक न्यायाधिकरण (केन्द्रीय) कोटा/राज.]

निर्देश प्रकरण क्रमांक : ओ. न्याय.-10/90

दिनांक स्थापित 23/5/90

प्रसंग : भारत सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली के आवेदन क्रमांक एल-40012/123/89-डी-2 (डी) दि. 2/5/90

औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947

मध्य

रामावतार द्वारा क्षेत्रीय मंत्री, हिन्दू मजदूर सभा बंगाली मोहल्ला, कोटा।

—प्रार्थी श्रमिक

एवं

सहायक अभियन्ता, टेलीकाम (सिविल) तलवन्डी, कोटा

—प्रतिपक्षी नियोजक

उपस्थित

श्री आर. के. चाचान,

आर. एच. जे. एस.

प्रार्थी श्रमिक की ओर से प्रतिनिधि : श्री एन. के. तिवारी
प्रतिपक्षी नियोजक की ओर से प्रतिनिधि : श्री सी.बी. सोरल
अधिनियम दिनांक : 15-2-96

अधिनियम

भारत सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा निम्न निर्देश औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (जिसे तबुपरान्त "अधिनियम" से सम्बोधित किया जायेगा) की धारा 10(1)(घ) व उपधारा (2-क) के अन्तर्गत इस न्यायाधिकरण को अधिनिर्णायार्थ सम्प्रेषित किया गया है :—

"क्या सहायक अभियन्ता (टेलीकाम सिविल) तलवन्डी कोटा द्वारा श्री रामावतार को दिनांक 1-11-87 से नौकरी से हटाना उचित है? यदि नहीं तो कर्मचारी को क्या राहत मिलनी चाहिये?"

2. निर्देश न्यायाधिकरण में प्राप्त होने पर वर्ज रजिस्टर किया गया व पक्षकारों को सूचना जारी की गयी। प्रार्थी श्रमिक रामावतार द्वारा प्रस्तुत क्लेम स्टेटमेंट के अनुसार संक्षेप में तथ्य इस प्रकार हैं कि प्रार्थी को सहायक अभियन्ता, टेलीकाम सिविल, सब डिविजन, तलवन्डी, कोटा (जिसे तबुपरान्त "प्रतिपक्षी नियोजक" से सम्बोधित किया जाएगा) द्वारा दिनांक 18-4-86 से चौकीदार के पद पर नियोजित किया गया था परन्तु उसे 1-11-87 को यह कहकर नौकरी से निकाल दिया कि कुछ दिन बाद वापस नौकरी पर ले लेंगे। इसके बाद प्रार्थी प्रतिपक्षी नियोजक के यहां कई बार उपस्थित होता रहा परन्तु प्रार्थी को आजकल करके टालते रहे, अन्त में प्रार्थी ने नियोजक को वि. 3-3-89 को रजिस्टर्ड पत्र डाक द्वारा प्राप्ति के तीन दिवस में नौकरी पर लेने का अनुरोध किया तथा प्रार्थी को जितने दिन नौकरी से बाहर रखा उस अवधि के वेतन की मांग की अन्यथा अवधि समाप्ति पर कानूनी कार्यवाही के लिए सूचित किया। प्रतिपक्षी नियोजक को यह पत्र प्राप्त हो गया परन्तु उसका कोई उत्तर प्रार्थी को नहीं दिया गया व न ही नौकरी पर लिया गया। इस प्रकार प्रार्थी ने प्रतिपक्षी नियोजक के यहां 18-4-86 से 31-10-87 तक निरन्तर कार्य किया तथा 240 दिन से अधिक समय तक काम किया। प्रतिपक्षी नियोजक द्वारा प्रार्थी को सेवा से निकालने से पूर्व अधिनियम की धारा 25-एफ की पालनान्तर्गत एक माह का नोटिस प्रथमा नोटिस वेतन व छंटनी का मुआवजा नहीं दिया गया और न ही प्रस्तावित किया गया। उसे सेवा से निकालने से पूर्व खरिफता सूची का प्रकाशन भी नहीं किया गया, उसे सेवा से निकालने समय श्रमिक से कनिष्ठ श्रमिक नियोजन में मौजूद रहे जोकि पहले आए पीछे जाए सिद्धांत की अवहेलना है। अन्त में प्रार्थी ने प्रार्थना की है कि उसे पिछले सम्पूर्ण वेतन व समस्त सेवा लाभों सहित पुनः सेवा में बहाल करवाया जाए।

3. प्रतिपक्षी नियोजक की ओर से जवाब पेश हुआ है कि प्रार्थी को दैनिक वेतन पर आकस्मिक प्रकृति के कार्य पर अस्थायी स्टोर में दि. 18-4-86 से लगाया गया था एवं प्रतिपक्षी के पास अस्थायी सिविल स्टोर का कार्य समाप्त होने पर प्रार्थी को नौकरी पर नहीं लगाया। प्रार्थी का छंटनी का मामला नहीं है। चूंकि प्रतिपक्षी के पास अस्थायी स्टोर का

कार्य समाप्त हो गया था इसलिए प्रार्थी को नौकरी में लिया जाना सम्भव नहीं था, अतः प्रार्थी का क्लेम खारिज किया जाए।

4. प्रार्थी रामावतार ने साक्ष्य में स्वयं का शपथ-पत्र प्रस्तुत किया है जिससे नियोजक प्रतिनिधि ने जिरह की एवं प्रतिपक्षी नियोजक की ओर से सुनील कुमार जैन ने साक्ष्य में अपना शपथ-पत्र प्रस्तुत किया है जिससे श्रमिक प्रतिनिधि द्वारा जिरह की गयी है। बहस अन्तिम सुनी गयी व पत्रावली का अवलोकन किया गया।

5. प्रार्थी के विद्वान प्रतिनिधि ने अपनी बहस में कहा है कि प्रतिपक्षी नियोजक के जवाब से ही स्वीकृत है कि प्रार्थी ने प्रतिपक्षी के यहां 18-4-86 से 31-10-87 तक लगातार कार्य करते हुए 240 दिन से अधिक समय तक कार्य किया परन्तु उसके बावजूद प्रार्थी को नौकरी से निकालने से पूर्व अधिनियम की धारा 25-एफ की पालना स्वीकृत रूप में नहीं की गयी, अतः प्रार्थी पिछला सम्पूर्ण वेतन व सेवा के समस्त लाभों सहित पुनः सेवा में आने का अधिकारी है।

6. प्रतिपक्षी नियोजक के विद्वान प्रतिनिधि ने बहस की है कि प्रार्थी सेवा से हटने के बाद अन्यत्र स्थान पर कार्यरत रहा है, जिसका वेतन कम किया जाए।

7. प्रार्थी रामावतार ने अपने शपथ-पत्र में प्रतिपक्षी के यहां 18-4-86 से चौकीदार के पद पर नियोजित होना व प्रतिपक्षी द्वारा 1-11-87 से नौकरी से निकालना कहा है।

प्रतिपक्षी ने उसे बावजूब नोटिस के नौकरी पर नहीं लिया व न ही अग्रिम वेतन व छंटनी का मुआवजा दिया।

8. प्रतिपक्षी की ओर से भी जो गवाह सुनील कुमार जैन उपस्थित हुआ है, उसने अपनी जिरह में स्पष्ट यह स्वीकार किया है कि प्रार्थी को 18-4-86 को चौकीदार के पद पर नियोजित किया था गया व उसे 1-11-87 को नौकरी से हटा दिया गया।

9. पत्रावली के अवलोकन से प्रकट होता है कि प्रार्थी ने समझौता अधिकारी के यहां प्रतिपक्षी द्वारा नौकरी से निकालने के बाद शर्थना-पत्र प्रस्तुत किया था। सहा. श्रमायुक्त (केन्द्रीय) कोटा ने अपनी रिपोर्ट प्रदर्श डबल्यू.-4 में प्रार्थी के 258 दिन कार्य करना माना है एवं प्रतिपक्षी को नौकरी में लेने की सलाह दी थी परन्तु फिर भी प्रतिपक्षी ने प्रार्थी को नौकरी पर नहीं लिया। सहा. श्रमायुक्त द्वारा अपना असफल वार्ता प्रतिवेदन प्रदर्श डबल्यू.-5 भारत सरकार, श्रम मंत्रालय को भेजा गया जिसमें स्पष्ट अंकित किया कि प्रतिपक्षी द्वारा प्रार्थी को बिना छंटनी का मुआवजा दिए नौकरी से निकालना सही नहीं था। उनके द्वारा नौकरी पर रखने की सलाह भी दी गयी परन्तु उसे नौकरी पर नहीं रखा गया। इसके अतिरिक्त स्वयं प्रतिपक्षी की ओर से जो साक्ष्य प्रस्तुत हुई है उससे भी प्रार्थी द्वारा उनके यहां कार्य से लगने से हटाने के दिन तक 240 दिन कार्य करने की

स्वीकारोक्ति की गयी है। इसके साथ ही यह भी स्वीकार किया गया कि प्रार्थी को सेवा से हटाने के समय एक माह का नोटिस नहीं दिया गया। इस प्रकार यह स्पष्ट प्रकट होता है कि प्रार्थी श्रमिक ने प्रतिपक्षी के यहाँ नौकरी से निकालने से पूर्व 240 दिन से अधिक समय तक कार्य कर लिया था। ऐसी सूरत में प्रतिपक्षी द्वारा प्रार्थी को अधिनियम की धारा 25-गफ के प्रावधानान्तर्गत एक माह का नोटिस अथवा नोटिस वेतन व छुट्टी का मुआवजा अदा करके ही सेवा से निकाला जा सकता था परन्तु प्रतिपक्षी द्वारा ऐसी कोई पालना नहीं की गयी है जिससे उसे सेवा से निकाला जाना अवैध व अनुचित घोषित किए जाने योग्य है व फलस्वरूप प्रार्थी पिछले सम्पूर्ण वेतन व सेवा की निरन्तरता सहित पुनः सेवा में आने का अधिकारी घोषित होने योग्य है।

10. उपरोक्त सम्पूर्ण विवेचन के आधार पर भारत सरकार, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा सम्प्रेषित निर्देश को इस प्रकार उत्तरित किया जाता है कि सहायक अभियन्ता (टेलीकाम सिबिल) तलवण्डी, कोटा द्वारा श्रमिक समावतार को 1-11-87 से नौकरी से हटाना न्यायोचित नहीं है, फलस्वरूप प्रार्थी पिछले सम्पूर्ण वेतन व सेवा की निरन्तरता सहित पुनः सेवा में लिए जाने का अधिकारी घोषित किया जाता है।

इस अधिनियम को समुचित सरकार को नियमानुसार प्रकाशनार्थ भिजवाया जाए।

प्रार. के. चाचान, न्यायाधीश

नई दिल्ली 18 अप्रैल, 1996

का.प्र. 1416.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डाक के प्रबन्धन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-4-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या 40011/14/94-आई प्रार (डी यू)]

के. वी. बी. उण्णी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 18th April, 1996

S.O. 1416.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Posts and their workman, which was received by the Central Government on 16-4-96.

[No. L-40011/14/94-IR(DU)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU MADRAS

Thursday, the 8th day of February, 1996

PRESENT :

Thiru. N. Subramanian, B.A., B.L., Industrial Tribunal

Industrial Dispute No. 63 of 1995

(In the matter of the dispute for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the management of Post Master General, Central Region, Trichirapalli and another).

BETWEEN :

The workmen represented by,
The Divisional Secretary,
National Union of Postal Employees,
(Postman and Cl. IV) Nagapattinam-611 001.

AND

1. The Post Master General,
Central Region, Tiruchirapalli, Tamil Nadu-620 001.
2. The Superintendent of Post Office,
Nagapattinam-611 001.

REFERENCE :

Order No. L-40011/14/94-IR(DU), Ministry of Labour,
dated 20-7-95/5-9-95, Government of India, New
Delhi.

This dispute coming on this day for final disposal upon perusing the reference and other connected papers on record and both parties being absent, this Tribunal passed the following.

AWARD

The Government of India by its Order No. L-40011/14/94-IR(DU), Ministry of Labour, dated 20-7-95/5-9-95, referred for adjudication by this Tribunal under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 regarding :—

“Whether action of the Post Master General Tiruchirapalli and Superintendent of Post Office, Nagapattinam Division in refusing Flood Advance to its employees is justified? If not, to what relief the employees are entitled to?”

No representation for both. Neither the Petitioner nor the respondent appeared from the first hearing till today. Hence Industrial dispute is dismissed for default. No costs.

Dated, this 8th day of February, 1996

THIRU. N. SUBRAMANIAN, Industrial Tribunal

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 1996

का.प्र. 1417.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डाक के प्रबन्धन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-4-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-40012/33/94-आई प्रार (डी यू)]

के. वी. बी. उण्णी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 18th April, 1996

S.O. 1417.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Madras

as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Posts and their workman, which was received by the Central Government on 16-4-96.

[No. L-40012/33/94-IR(DU)]
K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU
MADRAS

Friday, the 22nd day of March, 1996

PRESENT :

Thiru N. Subramanian, B.A., B.L. Industrial Tribunal
Industrial Dispute No. 6 of 1995

(In the matter of the dispute for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workman and the management of Sub-Divisional Inspector (Postal), Mettur Dam and another).

BETWEEN

Thiru P. Mohankumar, S/o Pachiappan, Kullal patti
(Kattuvallavu), Machery Post, Salem District.

AND

1. The Sub-Divisional Inspector (Postal) Mettur Dam Sub-Division, Mettur Dam-636401.
2. The Superintendent of Post Offices, Salem West Division, Salem-636005.

REFERENCE :

Order No. L-40012/33/94, dated 4-9-95, Ministry of Labour, Government of India.

This dispute coming on this day for final disposal in the presence of Thiru S. Thiagarajan, Additional Central Government Standing Counsel appearing for Management Nos. 1 and 2 upon perusing the reference and other connected papers on record and the workman being absent, this Tribunal passed the following :

AWARD

The Government of India by its Order No. L-40012/33/94, dated 4-9-1995, Ministry of Labour referred for adjudication by this Tribunal under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 regarding the dispute :

"Whether the action of the management of Department of Posts is justified in terminating the services of Shri P. Mohankumar EDDA of Mettur Division without complying the provisions of the I. D. Act, 1947 is just proper and legal ? If not, to what relief is the workman entitled to ?"

No representation for the Petitioner. Petitioner called absent and Petitioner is absent for the past three hearings. Hence industrial dispute dismissed for default. No costs.

Dated, this 22nd day of March, 1996.

THIRU N. SUBRAMANIAN, Industrial Tribunal

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 1996

का.प्र. 1418 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार डाक के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, मद्रास, के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-4-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल40012/182/94-आई प्रार (डी यू)]

के. वी. बी. उन्नी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 18th April, 1996

S.O. 1418.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Posts and their workman, which was received by the Central Government on 16-4-1996.

[No. L-40012/182/94-IR (DU)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU
MADRAS

Friday, the 9th day of February, 1996

PRESENT :

Thiru N. Subramanian, B.A., B.L., Industrial Tribunal.
Industrial Dispute No. 2 of 1996

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workman and the management of Senior Superintendent of Post Offices, Tuticorin)

BETWEEN

Thiru N. Vel. Kumar,

No. 75 Yadava Street, Antoor,
Tiruchendur Pin-628151.

AND

The Senior Superintendent of Post Offices,
Tuticorin Division,
Tuticorin-628215.

REFERENCE :

Order No. L-40012/182/94-IR (DU) dated 27/28-12-95
Ministry of Labour, Government of India, New
Delhi.

This dispute coming on this day for final disposal, upon perusing the reference and other connected papers on record and the workman having sent a letter for withdrawing this dispute and recording the same, this Tribunal passed the following :

AWARD

The Government of India by its Order No. L-40012/182/94-IR (DU), Ministry of Labour, dated 27/28-12-95 referred for adjudication by this Tribunal under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 regarding the dispute :

"Whether the action of the Sub-Divisional Inspector (Postal) Tiruchendur in terminating the services of Shri N. Vel. Kumar, EDDA/MC, Umarikkadu is justified ? If not, to what relief the concerned workman is entitled to ?"

The petitioner has sent a memo by post stating that he is withdrawing the industrial dispute unconditionally. memo recorded. Industrial Dispute dismissed as withdrawn in view of the memo.

Dated, this 9th day of February, 1996.

THIRU N. SUBRAMANIAN, Industrial Tribunal

Copy of letter from N. Velkumar, 75, Yathavar Street, Authoor Post-628151, V.O.C. District addressed to the Chief Ministerial Officer, Industrial Tribunal, 2nd Floor, City Civil Court Building, Madras-104.

"I lodged a petition before the Labour Enforcement Officer, Tuticorin regarding my employment in the postal department and the talks held in the Labour Enforcement Office ended in fail. Now the case has been taken up in the Industrial

Tribunal and the case has been posted for hearing on 9-2-96. My present circumstances do not permit me to continue the case. I therefore withdraw my case unconditionally.

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 1996

क्र.भा. 1419:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इण्डियन ओवरसीज बैंक के प्रबंधन के संबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण मद्रास को पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-4-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या-12012/231/92-आई चार (बी-II)]

बी. के. शर्मा, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 18th April, 1996

S.O. 1419.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Indian Overseas Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 16-4-1996.

[No. L-12012/231/92-IR (B-II)]

V. K. SHARMA, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU MADRAS

Thursday, the 7th day of March, 1996

PRESENT :

Thiru N. Subramanian, B.A., B.L. Industrial Tribunal.
Industrial Dispute No. 103 of 1992

(In the matter of the dispute for adjudication u/s 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 between the workmen and the management of Indian Overseas Bank, Madras)

BETWEEN

The Workmen represented by

The General Secretary,
Indian Overseas Bank Staff Union,
A. D. Nayak Bhavan, 44, 2nd Line Beach,
Madras-1.

AND

The Chairman and Managing Director,
Indian Overseas Bank Central Office,
762 Anna Salai, Madras-2.

REFERENCE :

Order No. L-12012/231/92-IR (B-II), dated 3-12-92,
Ministry of Labour, Government of India, New
Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Tuesday, the 9th day of January, 1996 upon perusing the reference, claim and Counter statement and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Tvl. K. Ananthakrishnan and V. Chandrasekar, Advocates appearing for the workmen and of Thiru S. Kanniah, Advocate appearing for the management and this dispute having stood over till this day for adjudication this Tribunal made the following :

AWARD

The Government of India by its letter No. L-12012/231/92-IR (B-II) dated 3-12-92, referred for adjudication by this Tribunal u/s 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 regarding the dispute :

"Whether the action of the Management of Indian Overseas Bank in treating Shri Arputhaivelu as having voluntarily retired from Bank's service w.e.f. 23-1-89 is justified ? If not what relief the workman is entitled to ?"

After services of notices, the petitioner and the respondent filed their claim statement and counter statement.

The case of the Petitioner as per the claim statement is as following :—

The delinquent employee joined the Respondent Bank as a Messenger in 1978. He was posted to Virugambakkam Branch on promotion in October 1987. He received a letter dated 13-2-89 from the respondent stating his services had been terminated by holding that he had voluntarily retired from service 23-1-89. He absented himself from duty unauthorisedly from 29-6-88. The respondent by its letter dated 21-12-88 advised the employee to report for duty within 30 days of the receipt of the letter failing which it shall be deemed that he has voluntarily retired from service on his own accord. The respondent terminated the services of the employee on the ground that he neither reported to duty nor sent any communication within the stipulated period. He was absent from duty from 29-6-88 as he was bed-ridden on account of facial paralysis. He sent a leave letter through his brother and the Branch Manager refused to receive the same. He received the letter dated 21-12-88 on 29-12-88. As he was at the fag end of the treatment he could not join duty immediately. He contacted the Branch Manager by phone on 23-1-89 and informed his decision to join duty on 24-1-89. The Manager advised him to meet the Assistant General Manager. The employee met the I.R.O. and he advised him to submit the leave letter at the Branch and join duty. Since the employee had to apply medicine he could not go to the Branch till 30-1-89. He went to the Branch on 31-1-89 along with the leave letter and Medical certificate. The Manager refused to accept the leave letter and did not allow him to join duty. His subsequent efforts to join duty failed. So he sent a letter dated 8-2-89 to the Assistant General Manager enclosing the Medical certificate which was forwarded by the Branch to the Regional Office on 14-2-89. The employee did not receive any reply. But he received a letter dated 13-2-89 on 17-2-89 terminating his services. Thereafter he wrote a letter dated 15-3-90 to the Chairman and Managing Director. Since he did not receive any reply the Union raised the Industrial Dispute. The Respondent is wrong in applying Paragraph 16 of the Bi-partite settlement. It is intended to the employee to go abroad or take employment elsewhere. Since the employee expressed his intention to join duty on 24-12-88 and reported to duty only on 2-2-89 the employee would not be deemed to have voluntarily retired from the Bank service. He expressed his willingness to join duty and submitted satisfactory explanation within 30 days from the date of receipt of the letter dated 13-2-89. When the employee has not taken employment in India or abroad the termination is illegal. He is aged about 35 years. Hence the termination order dated 13-2-89 is liable to be set aside and he is entitled for reinstatement with full back wages and other benefits.

The Respondent filed its counter as follows :

The employee joined duty on 27-8-79 as a messenger. He was promoted to clerical cadre in October 1987 and posted to Virugambakkam Branch. He was in the habit of taking leave frequently without submitting any leave letter. He was cautioned by the Respondent for his misconduct through a letter dated 30-3-83. In spite of the caution he did not

correct himself and continued to absent himself from duty without prior leave. He joined duty at Virugambakkam Branch on 5-10-87 and worked for 54 days only. From 29-6-88 he was absenting unauthorisedly. Since he has absented from 29-6-88 the Bank issued a Notice on 21-12-88 in terms of clause 16 of Bipartite settlement dated 17-9-84 and offered him an opportunity to report to duty. Even after the receipt of the Notice the employee did not join duty. In view of his prolonged unauthorised leave he has deemed to have been voluntarily retired from Bank service. The applicant is bound to prove that the delinquent employee was actually sick and bed-ridden. The alleged medical certificate is a document created for the purpose of this claim. It is denied that the Manager refused to receive the leave letter. The failure to join duty within the stipulated time is deliberate. The other allegations in para 5 of the claim statement is incorrect. It is submitted that clause 16 of the Bipartite settlement dated 17-9-84 is applicable to the facts of the present case. The interpretation given by the petitioner is totally erroneous. As stated by the petitioner that the delinquent employee reported to duty on 2-2-89 will clearly show that he had not reported to duty within the stipulated time. He has not given any satisfactory explanation within the period. Hence the action taken by the Bank invoking clause 16 of the settlement is justified. Hence the claim of the petitioner may be dismissed with costs.

Exhibits W-1 to W-11 and M-1 to M-2 were marked.

The Point for consideration is "Whether the action of the Management of Indian Overseas Bank in treating Sri Arputhavelu as having voluntarily retired from Bank's service w.e.f. 23-1-89 is justified? If not, what relief the workman is entitled to?"

It is an admitted fact that the delinquent employee while working in Virugambakkam Branch of the Respondent absented himself from duty unauthorisedly from 29-6-88. According to the respondent the worker did not submit any leave letter for his absence. It is contended by the worker he sent the leave letter through his brother and the Manager refused to receive the same. If really the Manager had refused to receive the leave letter he would have sent the same by Registered post. The petitioner not even chosen to examine the brother of the worker to speak the fact that when he presented the leave letter the Manager refused to receive the same. So it is not true that the petitioner that the delinquent employee applied for leave and the Manager refused to receive the same. It is also admitted that the Respondent Bank sent a Notice dated 21-12-88 W-1 directing the employee to join duty within 30 days from the date of receipt of the letter failing which it shall be deemed that the worker had voluntarily retired from service. According to the employee he received the letter Ex. W-1 on 29-12-88. Ex. W-1 was issued as per clause 16 of the Bipartite settlement dated 17-9-84. It is also admitted by the employee he informed the Manager by phone on 23-1-89 that he is willing to join duty on 24-1-89. According to him the Manager advised him to meet the Assistant General Manager. He met the I.R.O. and he advised him to submit the leave letter at the Branch and join duty. But even according to the worker he did not go to the Bank till 30-1-89. He went to the branch on 31-1-89 and the Branch Manager refused to accept the leave letter and permit him to join duty. Further it is contended on 8-2-89 he sent a letter along with a Medical Certificate Ex. W-4 to the Assistant General Manager which was forwarded to the Regional Office on 14-2-89. The petitioner relies a copy of the Office letter dated 14-2-89 to the effect his representation was sent to the Regional Office which is marked as W-12. According to the Respondent there is no such letter written by the Branch Office to the Regional Office as alleged. W-12 is a document subsequently created by the petitioner. In Ex. W-12 there is no date nor signature of the Manager, there is no mention to whom it was addressed. The correctness, the genuineness of Ex. W-12 is questioned by the Respondent. The evidence of WW-2 that he took a handwritten copy of Ex. W-12 which was produced by the Management before the Labour Officer the Management before the Labour Officer union conciliation proceedings and the Labour officer handed over the letter to

WW-2. Ex. W-12 now produced in Court is a typed one not a handwritten copy. So the evidence of WW-2 throws a doubt about the genuineness of W-12. It is argued by the Respondent's counsel Ex. W-12 will not help the case of the petitioner even if it is true. The petitioner relied on Ex. W-12 to prove that the employee has given a representation on 8-2-89. Even if W-12 is taken as a genuine document it will prove that the employee has given a representation on 8-2-89 and also informed the Manager on 23-1-89 by phone about his intention to join duty on 24-1-89. As contended by the Respondent Counsel the services of the employee was terminated as per clause 16 of the Bipartite settlement dated 17-9-84. Clause 16 of the settlement says while an employee has not submitted any application for leave and absents himself from work for a period of 90 or more consecutive days without or beyond any leave to his credit or absents himself for 90 or more consecutive days beyond the period of leave originally sanctioned or subsequently extended or while there is satisfactory evidence that he has taken up employment in India or the Management is satisfied that he has no present intention of joining duty the Management at any time thereafter given a Notice to the Employee's last known address calling upon the employee to report for duty within 30 days of the Notice. Unless the employee reports for duty within 30 days or unless he gives an explanation for his absence satisfying the Management. It is argued by the Petitioner's counsel Clause 16 of the settlement will apply to an employee who got employment in India or abroad. The interpretation given by the petitioner's Counsel is not correct. The reading of Clause 16 clearly indicates it is applicable to an employee who has not submitted any application for leave and absents himself from work for a period of 90 or more consecutive days. Therefore on receipt of the Notice given by the Management calling upon the employee to report to duty within 30 days on receipt of the Notice is applicable to the present case. The delinquent employee either he should report to duty within the stipulated time or he must give an satisfactory explanation for his absence within that period. Admittedly the present case the delinquent employee even though he received the letter W-1 on 29-12-88 he did not report to duty within 30 days. Even according to him he reported to duty on 31-1-89. It is beyond the period of stipulated time. Further he has not given any satisfactory explanation within that period for his absence. Even according to the petitioner the delinquent submitted his explanation on 8-2-89. Therefore the delinquent employee did not report to duty or gave his explanation within 30 days on receipt of the Notice W-1. So the action of the Management under Clause 16 of the settlement is proper and legal.

It is argued by the petitioner's counsel no enquiry was conducted before the order of termination Ex. W-2. No enquiry is contemplated under clause 16 of the settlement for the misconduct of unauthorised absence. Even though there was no enquiry both parties were given full opportunity to let in their evidence to prove their cases. According to the petitioner the delinquent employee was suffering from facial paralysis and was taking treatment in the Siddha Hospital Anna Nagar. He has produced a medical certificate W-5 and Medical Fitness Certificate W-6. Both certificates were obtained only on 30-1-89. It is contended by the Respondent's counsel mere production of Medical Certificate is not enough and it must be proved by the author of the certificate. For that he relied on the decision reported in 1990 1 Law Weekly Page 113. Even in Ex. W-5 there is no mention he was taking treatment much less as in patient. It is admitted by WW-1, the employee in his evidence he was taking treatment as an out-patient. So the case of the petitioner that the employee was bed-ridden and could not contact the respondent is false. If really the employee was suffering from facial paralysis and his evidence that he was taking treatment as out-patient going to the hospital at Anna Nagar from his residence is true and the allegation that the Manager refused to receive the Leave application is true he would have gone to his branch at Virugambakkam and informed his inability to the Manager in person. The failure on the part of the employee to meet the Manager in person throws a considerable doubt about his alleged illness and other allegations. It is seen from W-6 the Original Medical Certificate was already issued prior to 31-1-89. If that is true he would have produced the Original Medical Certificate as soon as he received from the Doctor. To prove his illness and for the treatment he would have produced the O.P. ticket, the medical

prescription given to him. Those documents were not produced. The conduct of the employee and non-production of material document shows the explanation offered is not satisfactory.

In the result an Award is passed dismissing the claim of the Petitioner holding the action of the Management is justified. No costs.

Dated this the 7th day of March 1996.

THIRU N. SUBRAMANIAN, Industrial Tribunal

WITNESSES EXAMINED

For Workman :

WW-1—Thiru D. Arbuthavelu.

WW-2—Thiru Michael Raj Joseph.

For Management :

MW-1—Thiru P. Ramachandru.

DOCUMENTS MARKED

For Workman :

Ex. W-1/21-12-88—Notice issued to Thiru D. Arbuthavelu (Xerox copy).

Ex. W-2/13-2-89—Order of termination issued to Thiru D. Arbuthavelu (Xerox copy).

Ex. W-3/5-3-91—Counter filed by the Management-Bank before the Asst. Labour Commissioner (C) Madras-6 (Xerox copy).

Ex. W-4/8-2-89—Letter from Thiru Arbuthavelu to the Management-Bank (Xerox copy).

Ex. W-5/30-1-89—Medical Certificate issued to Thiru D. Arbuthavelu (Xerox copy).

Ex. W-6/30-1-89—Medical fitness certificate issued to Thiru D. Arbuthavelu (Xerox copy).

Ex. W-7/15-3-90—Letter from Thiru D. Arbuthavelu to the Management-Bank.

Ex. W-8 —Postal receipt.

Ex. W-9 —Postal acknowledgement receipt from the Management-Bank.

Ex. W-10/30-4-90—Letter from Petitioner-Union to the Regional Labour Commissioner, Madras (Xerox copy).

Ex. W-11/ -6-92—Conciliation Failure Report (Xerox copy).

Ex. W-12/14-2-89—Inter Office letter (copy).

For Management :

Ex. M-1/30-3-88—Letter from Management-Bank Thiru D. Arbuthavelu (Xerox copy).

Ex. M-2/21-6-88—Letter from Management-Bank to Thiru D. Arbuthavelu (Xerox copy).

अन संज्ञाय

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1996

का.प्र. 1420—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार से. ई. पी. एल. के मंडमन कोलियरी के प्रबंधन के संबंध निरोधको और उनके कर्मचारों के बीच, प्रारम्भ में निविष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. 2) धनबाद के पंचवट का प्रकाशन करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 17-4-96 का प्राप्ति हुआ था।

[संख्या - एल 20012/160/91-काई.प्र. (कोल-1)]

ब्राज मोहन, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 19th April, 1996

S.O. 1420.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 2) Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Mandman Colliery of M/s. Eastern Coalfields Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 17-4-96.

[L-20012/160/91-I.R.(Coal-I)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, DHANBAD

In the matter of a reference under sec. 10(1)(d) (2-A) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 2 of 1992

Employers in relation to the management of Mandman Colliery of M/s. E.C. Ltd

AND

Their Workmen

PRESENT :

Shri D. K. Nayak, Presiding Officer

APPEARANCES :

For the Employers. —None.

For the Workmen.—Shri D. Mukherjee, Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, the 12th April, 1996

AWARD

By Order No. L-20012(160)/91-I.R. (Coal-I) dated 'nil' the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal —

"Whether the action of the management of Mandman Colliery of M/s. F.C.L. in denying regularisation of Sh. A. K. Dubey as Cap Lamp Issue Clerk from 1981 is justified? If not to what relief the workman is entitled?"

2 In response to the reference stated above the workman filed the written statement inter alia that he has been working as Cap Lamp Clerk since 1981 being directed by the management continuously having unblemished record of service and though he has completed the work as Cap Lamp Issue Clerk for more than 200 days and as per recommendation of the Wage Board he is entitled to get clerical grade as other co-workmen working with him are getting it.

3. Further case of the workman is that as it was not amicably settled the matter was taken up before the Asstt. Labour Commissioner (Central), Dhanbad for such demand but no redressal was obtained due to adamant attitude of the management and thereby this reference arose and considering the material on this point the action of the management in denying regularisation of the concerned workman, A. K. Dubey as Cap Lamp Issue Clerk from 1981 is unjustified and has prayed for such direction to regularise the concerned workman in the said post from 1981 with arrear of wages and consequential benefits.

4. From the side of the management written statement-cum-rejoinder was filed with some preliminary objections. It is admitted that A. K. Dubey is employed in Mandman Colliery as Cap Lamp Charger but he was not regularised on the same post. His service was taken in the same post as and when it was required and the management has no such sanctioned post or vacancy in placing A. K. Dubey in the post of Cap Lamp Issue Clerk and thereby the management cannot be compelled to absorb extra man.

5. Further case of the management is that clerical post requires passing of matriculation examination by recognised Government but this claimant has no such qualification, thereby the demand of the Union to regularise A. K. Dubey, Cap Lamp Issue Clerk from the date as mentioned therein with effect from 1981 is unjustified, and in the rejoinder the facts stated in the written statement of the workman have been denied parwise.

6. The workman in his rejoinder has challenged the fact that his claim is not maintainable in law and the claimant has no legal merit. It is stated that there is no post with the designation of Cap Lamp Issue Checker to which he is discharging the duties and it is false to say that as and when it was required he was appointed in such post and this statement is motivated, frivolous and baseless.

7. In this case also the management did not appear on the date of hearing fixed on 19-3-96 and thereafter the case was taken up as ex-parte hearing.

8. In this case A. K. Dubey has been examined as WW-1 and he has stated that he is working as Cap Lamp Issue Clerk since 1979 as per instruction of the management regularly and he maintains a register of lamp issue and return of lamps. According to him there are three shifts and thereby three Lamp Issue Clerks work who are B. N. Kanjilal, S. D. Panja and this workman. The other two Lamp Issue Clerks get the clerical Grade. But this unfortunate workman only is getting the wages of Category-IV as he is assembled with the Union which is not liked by the management. In order to support his case he has proved Exts. W-1, W-2 to W-7 and he has claimed to be regularised as Cap Lamp Issue Clerk since 1981 alongwith consequential relief.

9. I have considered Ext. W-1 where I find that the name of A. K. Dubey alongwith B. N. Kanjilal and S. D. Panja as Lamp Issue Clerk is mentioned giving some direction to them by the Manager of the concerned colliery. This is dated 16-7-83. Ext. W-2 says an Office Order where the name of A. K. Dubey has been shown as Lamp Issue Clerk in the first shift which is dated 13/14-4-87 under the signature of the Manager, Mandman colliery. Ext. W-3 is some instruction to the Lamp Issue Clerks and that relates to Ext. W-4 dated 7/9-11-90 where the name of the concerned workman, A. K. Dubey appears as Lamp Issue Clerk of Mandman colliery under the signature of the Manager of the said colliery. In this context Ext. W-5 is referred where some instructions were given to all Lamp Issue Clerks and similar instructions were issued by Ext. W-6. Lastly, we may refer Ext. W-7 dated 18-12-82 under the signature of the Manager of the concerned colliery where a copy of the same was given to A. K. Dubey alongwith B. N. Kanjilal showing them as Lamp Issue Clerk with certain instructions.

10. Therefore, in view of the said documentary evidence and oral evidence on record and want of any challenge from the side of the management I am constrained to hold that the claim of the concerned workman is justified and the action of the management of Mandman colliery of M/s. E.C.

Ltd. in denying regularisation of A. K. Dubey as Cap Lamp Clerk from 1981 is unjustified and he is entitled to get so.

11. Accordingly, it is ordered that the concerned management is directed to regularise A. K. Dubey as Cap Lamp Issue Clerk from 1981 and give difference of back wages fixing him in the same post notionally in the year 1981 as per their record and to pay difference of wages and also to award other consequential relief, such as, seniority benefit, promotion benefit and other consequential benefit considering him to be working in the said colliery and in the same post on and from 1981 and to implement this award within one month from the date of publication of this award failing which law will take its own course.

This is my award.

D. K. NAYAK, Presiding Officer

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1996

का.प्र. 1421 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार में. सी. सी. एल. ने रेलिगरा कोलियरी के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. 1) धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-4-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-20012/87/90-प्रार. आई(कोल-I)]

ब्रज मोहन, ईम्क अधिकारी

New Delhi, the 19th April, 1996

S.O. 1421.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 1) Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Religara Colliery of M/s C.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 17-4-96.

[No. L-20012/87/90-IR (Coal-I)]

BJRaj MOHAN, Desk Officer.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, NO. 2, DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1) (d) (2-A) or the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 29 of 1990

Parties : Employers in relation to the management of Religara Colliery of M/s. Central Coalfields Ltd.

AND

Their Workmen

Present : Shri D. K. Nayak,
Presiding Officer.

Appearances :

For the Employers : None.

For the Workmen : Shri D. Mukherjee, Secretary,
Bihar Colliery Kamgar Union.

State : Bihar.

Industry : Coal.

Dated, the 12th April, 1996

AWARD

By Order No. L-20012/87/90-I.R. (Coal-I) dated, the 19th October, 1990, the Central Government in the Ministry of

Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Religara Colliery of Central Coalfields Ltd., P.O. Religara, Dist. Hazaribagh by not regularising and giving promotion to the post of Auto Mechanical fitter Cat. V and other allied benefits payable from time to time by the management to S/Sri Dhaneshwar Turi, Daya Shankar and Rupu Ganjhu all helpers, Cat. II to Auto Mechanical fitter working at present as Auto Mechanical fitter from 20-10-85 is justified? If not, to what relief the workmen concerned are entitled?"

2. To meet the reference the details of which are stated above. The workmen have filed the written statement stating, inter-alia, that Dhaneshwar Turi, Daya Shankar and Rupu Ganjhu have been working as Auto Mechanical Fitter in Category-V since 20-10-85 being authorised and directed by the management and they have been working in the same post since 1985 continuously and thereby they have completed 240 days attendance in a calendar year in the similar job.

3. The further case of the workmen is that the management implemented the Wage Board Recommendation who recommended various amenities including pay scale and cadre service which has got statutory force and pursuant to the said recommendation the concerned workmen are also entitled to be regularised in Category-V as Auto Mechanical Fitter with retrospective effect, but due to adamant attitude the management is depriving the concerned workmen as they are members of Bihar Colliery Kamgar Union against which the management is biased and prejudiced.

4. The concerned workmen took up the matter before the Asstt. Labour Commissioner (Central), Hazaribagh but the conciliation failed on false and fictitious plea and the matter was referred to the Ministry for determination and adjudication of the aforesaid reference as mentioned therein. That the action of the management not regularising the concerned workmen in Category-V as Auto Mechanical Fitter is anti-labour policy and they are bound to do so and ultimately they pray the disposal of the reference in their favour by giving an award directing the management to regularise the concerned workmen as Auto Mechanical Fitter in Category-V with effect from 20-10-85 and with other consequential reliefs.

5. The employers in their written statement denied the facts mentioned in the written statement and justified their work for not regularising the concerned workmen in Category-V. On the other hand, it is their case that they are Auto Fitter Helpers, who are of the workers of Category-I. However, in the year 1988 a selection was made for only one post of Auto Fitter and Dhaneshwar Turi was found suitable for promotion to such post which is Category-IV and he was given such opportunity also being a member of Schedule Caste. Accordingly it is the case of the management that there is no question of the three workmen concerned to get the order of regularisation as Auto Fitters in Category-V and their claim is unjustified and they have denied other benefits as stated in the written statement.

6. In the rejoinder in reply to the written statement the workmen have stated that it is false to say that these workmen ever worked as Operator Grade-II and also the facts stated in para 6 of the written statement of the management have been categorically denied. They have confirmed their objections and claimed their regularisation as Auto Fitter in Category-V.

7. In the instant proceeding on the date of hearing after long lapse of time none appeared for the management and thereby the matter was taken up for ex-parte hearing.

8. In the ex-parte hearing only one workman, namely, Dhaneshwar Turi deposed for himself and on behalf of other workmen and from his statement it appears that they are performing the job of Auto Mechanical Fitter since 20-2-85 and difference of payment for such period from 1985 to 1990 between Category-II and Category-V were paid to them but that has been stopped as and when this reference has been

made. It is also in his evidence that discussions took place between the management and the union and the management agreed to give the relief to the concerned workmen as claimed and the minute of discussion has been exhibited as Ext. W-1 which is under the signature of Mahato Sahab, Haridwar Singh and accordingly they have claimed that their claim is justified.

9. It is needless to say that though the matter has been heard ex-parte this Tribunal is to see whether the claim of the concerned workmen is justified with reference to the materials on record. Besides the oral evidence which remained unchallenged I have perused the documents marked Ext. W-1 from where I find that a discussion took place between the management and the sponsoring Union on 3-9-94 being represented by the competent persons and from the minute it appears that the first agenda was about the concerned workmen where it is stated that Dhaneshwar Turi, Rupu Ganjhu and Dayashankar should be promoted to the post of Auto Fitter Category-V from 1985. However, the matter was accepted but no specific resolution was taken as the case was pending before the Tribunal. Exts. W-2 and W-3 also support the claim of the concerned workmen where the question of regularisation of the said concerned workmen in the post in dispute was in the agenda.

10. Therefore, considering the oral and documentary evidence and also considering the fact that those materials remained unchallenged I have no other alternative than to dispose of the reference in favour of the concerned workmen and thereby it is held that the action of the management of Religara Colliery of Central Coalfields Ltd. P.O. Religara, Dist. Hazaribagh by not regularising and giving promotion to the post of Auto Mechanical Fitter Category-V and not giving allied benefits to them is unjustified.

11. I have carefully considered the materials on record and I find that they were given difference of pay between Category-II and Category-V which has been proved in ex-parte evidence of WW-1, and taking that into consideration alongwith the paper exhibited I pass my award in the following terms.

The management is directed to regularise by way of giving promotion to the Auto Mechanical Fitter Category-V alongwith other consequential reliefs to Dhaneshwar Turi, Daya Shankar and Rupu Ganjhu as Auto Mechanical Fitter from 20-10-85 and to pay the difference of wages and consequential relief to which they are entitled to taking their promotion to be on and from 20-10-85.

Thus, this reference is disposed of and this is my award and the management is directed to implement this award within one month from the date of publication in default law will take its own course.

D. K. NAYAK, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 1996

का.भा. 1422.—केंद्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य सीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91 क के साथ गठित धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम प्रवर्तन से मै. इंडियन स्टैट्यूटल इंस्टीट्यूट कलकत्ता में नियुक्त नियमित कर्मचारियों को प्रथम अगस्त 1991 से 30-9-97 तक की अवधि के लिए जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है छूट प्रदान करती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात्—

(1) पूरक कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित है, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाभिधान दिखाये जाएंगे,

(2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रसुविधाएँ प्राप्त करते हुए रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे इस अधिनियम द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व संदत्त अधिनियमों के आधार पर हकदार हो जाते,

(3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई प्रतिवाद्य पहले ही किए जा चुके हों तो वे वसूल नहीं किए जाएंगे,

(4) उक्त कारखाने का नियोजक उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अवधि कहा गया है), ऐसी विवरणियाँ ऐसे प्रारूप में और ऐसी विधिप्रणालियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देती थी,

(5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उप-धारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी:—

(1) धारा 44 की उप-धारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विधिप्रणालियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ,

(2) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं, या

(3) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिये गये उन फायदों को, जिसके प्रतिफल स्वल्प इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नगद और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं, या

(4) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किसी उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सक्षम होगी:—

(क) प्रधान या अभ्यवहित नियोजक से अपेक्षा करने कि वह ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है,

(ख) ऐसे प्रधान या अभ्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रधान से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी से संघर्ष से संबंधित ऐसे लेखा, बहियों और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दे, या उन्हें ऐसी जानकारी दे, वे जिसे आवश्यक समझते हैं, या

(ग) प्रधान या अभ्यवहित नियोजक की, उसके अधिकारी या सेवक की या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तिमय कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना, या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखा बही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

[एम. 38014/6/95—एम. एम.—I]

जय प्रकाश शुक्ल, प्रवर सचिव

स्पष्टीकरण हापन

स्पष्टीकरण हापन इस मामले में छूट को भूतलक्षी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट के आवेदन पर कार्यवाही करने में समय लगा था, किन्तु यह प्रमाणित किया जाता है कि छूट को भूतलक्षी प्रभाव देने से किसी भी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

New Delhi, the 22nd April, 1996

S.O. 1422.—In exercise of the powers conferred by Section 88 read with Section 91-A of the Employees' State Insurance Act, 1943 (34 of 1948), the Central Government hereby exempts the regular employees of M/s. Indian Statistical Institute, Calcutta from the operation of the said Act for the period with effect from 1st August, 1991 upto and inclusive of 30th September, 1997.

2. The above exemption is subject to the following conditions namely:—

(1) The aforesaid establishment wherein the employees are employed shall maintain a register showing the name and designations of the exempted employees.

(2) Notwithstanding this exemptions, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act, to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;

(3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;

(4) The employer of the said factory/establishment shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(5) Any inspector appointed by the Corporation under Sub-Section (1) of Section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall for the purpose of:—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of Section 44 for the said period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such pro-

visions were in force in relation to the said factory to empowered to :—

- (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine accounts, books and other documents relating to the employment of personal and and other documents relating to the of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (c) examine the principal of immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- (d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/6/95-SS.I]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as processing of the applications for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not effect the interest of any body adversely.

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 1996

का. प्रा. 1423:—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91-क के साथ पष्ठ 87 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैसर्स हिन्दुस्तान एंटीबायोटिक्स लि. विम्परी गुणे को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से प्रथम अक्टूबर, 1994 30 सितम्बर, 1995 तक की अवधि के लिए जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, छूट देती है:

2. उक्त छूट निम्नलिखित शर्तों के अधीन है, अर्थात्:—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक उस अवधि की बात जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवृत्त था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है) ऐसी शर्तों पर ऐसे प्रत्येक और ऐसी शर्तों पर सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (माध्यम) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बात देती थी,

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की पधारा (3) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक या इस निमित्त प्राधिकृत निगम का कोई अन्य पदधारी,—

(1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि के लिए दी गई किसी विवरणों की विनिर्दिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनों के लिए, या

(2) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनों के लिए, कर्मचारी राज्य बीमा (माध्यम) विनियम 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं या

(3) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनों के लिए कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दी गई उन प्रमुखीकरणों की, जो ऐसी प्रमुखीकरण हैं जिनके प्रतिफल स्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है, या नहीं, या

(4) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनों के लिए कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबंध प्रवृत्त थे, ऐसे किसी उपबंधों का अनुपालन किया गया था या नहीं, निर्णयित कार्य करने के लिए सज्ज होना —

(क) प्रधान नियोजक या अव्यवहित नियोजक से यह अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे या

(ख) ऐसे प्रधान नियोजक या अव्यवहित नियोजक के अधिनियम में के कारखाने, स्थापन कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके भारसाधक व्यक्ति से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के सन्वाय से संबंधित ऐसे लेखा बहियाँ और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दे या वह उसे ऐसी जानकारी दे जो वह आवश्यक समझे, या

(ग) प्रधान नियोजक या अव्यवहित नियोजक की, उसके अधिकारी या सेवक की या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति कि जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्ति-युक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना, या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर लेखा वहि या अन्य दस्तावेज की नकल करना या उससे उद्धरण लेना।

[संख्या एस-38014/11/95-एस. एस-1]

जय प्रकाश शुक्ल, अवर सचिव

स्वास्थ्य विभाग

इस मामले में छूट को भ्रष्टाचारी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि इस का आवेदन पत्र बेरी से मिला था। किन्तु यह प्रमाणित किया जाता है कि छूट को भ्रष्टाचारी प्रभाव देने से किसी भी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

New Delhi, the 22nd April, 1996

S.O. 1423.—In exercise of the powers conferred by Section 87 read with Section 91-A of the Employee's State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby exempts M/s. Hindustan Antibiotics Limited, Pimpri, Pune from the operation of the said Act for a period of one year with effect from 1st October, 1994 up to and inclusive of the 30th September, 1995.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

- (1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period) such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950.
- (2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of Section 45 of said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purpose of :—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration which exemption is being granted under this notification; or
 - (iv) ascertaining whether any of the provisions of the said Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory; be empowered to :—
 - (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (c) examine the principal or immediate employers, his agent or servant or any person found in such factory, establishment, office or other premises or

any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

- (d) make copies of or take extracts from any register, account book or other documents maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[File No. S-38014/11/95-SS. I]
J. P. SHUKLA, Under Secy.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the application for exemption was received late. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of any body adversely.

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 1996

का.प्र. 1424—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार इण्डियन एयर लाइन्स के प्रबंधन के संबंध में निहित विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम, 1947 के पंचपत्र को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-3-96 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-11012/25/92आई और (विविधा)]
ब्राज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 25th April, 1996

S.O. 1424.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Mumbai as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Indian Airlines and their workmen, which was received by the Central Government on 30th March, 1996.

[No. L-11012/25/92-I.R.(Misc.)]
BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL NO. 1, BOMBAY

PRESENT :

Shri Justice R. S. Verma, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-1/53 of 1993

PARTIES :

Employers in relation to the management of Indian Airlines, Bombay

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Management—Shri Kulkarni, Advocate

For the Workman—No appearance.

INDUSTRY : Airlines.

STATE : Maharashtra.

Bombay, the 15th day of March, 1996

AWARD

The workman filed his claim on 7th September, 1994.

2. The management filed its reply 15th December, 1994. Thereafter, the workman did not put in appearance. Notices sent to him were received unserved. Management could not provide his latest address.

3. The written statement of claim shows that the workman was employed on 21st February, 1990 as a daily rated workman. On 8th March, 1990, he met with an accident. He remained under treatment and was issued a fitness certificate on 1st June, 1990. His claim is that he went to resume duties on 2nd June, 1990 but was not allowed to do so.

4. The reply of the management is that the workman was only a casual employee. There was no right in him to be re-employed. He had served with them for less than a month.

5. An industrial dispute was raised and the appropriate Government referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

"Whether the management of Indian Airlines, Bombay in terminating the services of Shri S. T. Ghonge, Loader w.e.f. 20th June, 1990 after his return from hospital treatment for accident arising out of and in the course of employment while on duty on 8th March, 1990 is just, proper and legal? If not, to what relief is the workman entitled to?"

I have heard Shri Kulkarni for management. I find that on the admitted facts of the case, the termination or purported termination of services of the workman cannot be termed as improper, unjust or illegal in any way. He was a daily rated worker, employed on casual basis. He had not served for the statutory period of 240 days within a calendar year prior to his so called termination. To my mind, the workman is not entitled to any relief, whatsoever qua this alleged termination. Award is made accordingly. The same be submitted to the appropriate Government.

R. S. VERMA, Presiding Officer

For the Workman—No appearance.

INDUSTRY : Airlines.

STATE : Maharashtra.

Bombay, the 15th day of March, 1996

AWARD

The workman filed his claim on 7th September, 1994.

2. The management filed its reply 15th December, 1994. Thereafter, the workman did not put in appearance. Notices sent to him were received unserved. Management could not provide his latest address.

3. The written statement of claim shows that the workman was employed on 21st February, 1990 as a daily rated workman. On 8th March, 1990, he met with an accident. He remained under treatment and was issued a fitness certificate on 1st June, 1990. His claim is that he went to resume duties on 2nd June, 1990 but was not allowed to do so.

4. The reply of the management is that the workman was only a casual employee. There was no right in him to be re-employed. He had served with them for less than a month.

5. An industrial dispute was raised and the appropriate Government referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

“Whether the management of Indian Airlines, Bombay in terminating the services of Shri S. T. Ghonge, Loader w.c.f. 20th June, 1990 after his return from hospital treatment for accident arising out of and in the course of employment while on duty on 8th March, 1990 is just, proper and legal? If not, to what relief is the workman entitled to?”

I have heard Shri Kulkarni for management. I find that on the admitted facts of the case, the termination or purported termination of services of the workman cannot be termed as improper, unjust or illegal in any way. He was a daily rated worker, employed on casual basis. He had not served for the statutory period of 240 days within a calendar year prior to his so called termination. To my mind, the workman is not entitled to any relief, whatsoever qua this alleged termination. Award is made accordingly. The same be submitted to the appropriate Government.

R. S. VERMA, Presiding Officer

